सिटी चीफ

वर्ष-15, अंक-56
पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

इंदौर, रविवार, 02 जून 2024

आज का विचार

गलत को गलत कहना हमें आसान नहीं लगता, सही इतना कमज़ोर होता है इतना अकेला कि, उसके खिलाफ़ ही जंग का ऐलान आसान लगता है।

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

सिंगल कॉलम

टीसीएस चेयरमैन बोले- यौन उत्पीड़न के मामलों का समाधान वर्क फॉम होम नहीं

नई दिल्ली। देश की सबसे बड़ी आईटी कंपनी टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) के चेयरमैन नटराजन चंद्रशेखरन ने कहा कि यौन उत्पीड़न के मामलों से बचने के लिए घर से काम करना (वर्क फ्रॉम होम) कोई समाधान नहीं है। इसकी बजाय इस मामले में लोगों को शिक्षित करने की जरूरत है। वित्तीय वर्ष 2023-24 के दौरान टीसीएस कर्मचारियों द्वारा रिपोर्ट की गई यौन उत्पीड़न की शिकायतों की कुल संख्या 110 रही जो पिछले वर्ष 49 थी। हालांकि, आईटी क्षेत्र की दिग्गज कंपनी ने अपनी वार्षिक रिपोर्ट में बताया है कि 2023-24 के आंकड़ों में कर्मचारियों की ओर से विश्व स्तर पर रिपोर्ट किए गए आंकड़े शामिल हैं जबकि 2022-23 के आंकड़े भारतीय परिचालन से जुड़े हैं। टीसीएस में 152 देशों के 6,01,546 कर्मचारी काम करते हैं, इनमें महिलाओं की हिस्सेदारी 35.6त्न है। कंपनी की वार्षिक आम बैठक में एक शेयरधारक की ओर से पूछे गए सवाल के जवाब में चंद्रशेखरन ने कहा कि टीसीएस जैसी बड़ी कंपनी में ऐसे मामलों की इतनी संख्या हो सकती है। आगे उन्होने कहा कि ऐसे मामलों का सामधान वर्क फ्राम होम से नहीं बल्कि लोगों को शिक्षित करने से ही संभव है।

केजरीवाल को 2 जून को जेल जाना होगा, जमानत याचिका पर 5 जून को फैसला

नई दिल्ली। दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल को 2 जून को जेल जाना ही होगा। राऊज एवेन्यु कोर्ट ने 1 जून को मेडिकल ग्राउंड पर जमानत याचिका पर सुनवाई की। स्पेशल जज कावेरी बावेजा ने फैसला 5 जून तक के लिए सुरक्षित रख लिया है। केजरीवाल ने 7 दिन की जमानत मांगी थी, ताकि वे अपने मेडिकल टेस्ट करवा सकें। लेकिन प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कोर्ट में उनकी अपील का विरोध किया। केजरीवाल को 21 मार्च को अरेस्ट किया गया था। सुप्रीम कोर्ट ने 10 मई को उन्हें अंतरिम जमानत दी थी, जो 1 जून को खत्म हो रही है। 2 जून को उन्हें सरेंडर करना होगा। ईडी ने कोर्ट में दावा किया कि केजरीवाल ने तथ्यों को दबाया है और अपनी सेहत को लेकर झूठे बयान दिए हैं। उनका वजन 1 किलो बढ़ गया है, लेकिन वे झूठा दावा कर रहे हैं कि उनका वजन 7 किलो कम हो गया है। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कोर्ट से कहा कि केजरीवाल ने 31 मई को प्रेस कॉन्फ्रेंस में भ्रामक दावा भी किया कि वह 2 जून को सरेंडर करने जा रहे हैं। हालांकि कोर्ट में केजरीवाल के वकील ने कहा कि वे बीमार हैं और उन्हें इलाज की जरूरत है। हालांकि कोर्ट ने जमानत याचिका पर फैसला 5 जून तक सुरक्षित रख लिया है।

नोटिस के बावजूद एसआईटी टीम को घर पर नहीं मिलीं प्रज्ज्वल की मां भवानी

बेंगलुरु। कर्नाटक यौन उत्पीड़न मामले में गिरफ्तार जेडीएस सांसद प्रज्ज्वल रेवन्ना की मां भवानी रेवन्ना की मुश्किलें भी बढ़ने वाली हैं। प्रज्ज्वल रेवन्ना द्वारा महिला का अपहरण और यौन उत्पीड़न करने के मामले में एसआईटी शनिवार को प्रज्ज्वल की मां भवानी रेवन्ना से पूछताछ के लिए होलेनरसिपुर स्थित उनके आवास पर पहुंची। हालांकि भवानी एसआईटी टीम को घर पर नहीं मिली। इसके बाद एसआईटी टीम ने इंतजार करने का फैसला किया, लेकिन शाम तक भी जब भवानी रेवन्ना घर नहीं पहुंची तो एसआईटी की टीम लौट आई। सूत्रों के मुताबिक अब भवानी रेवन्ना के पूछताछ के लिए नहीं मिलने पर एसआईटी उनकी तलाश के लिए टीमों का गठन करने पर विचार कर रही है। दरअसल यौन उत्पीड़न मामले की जांच के लिए गठित एसआईटी ने भवानी रेवन्ना को पूछताछ के लिए नोटिस जारी किया था। नोटिस के तहत 1 जून को भवानी से पूछताछ की बात कही गई थी। इस नोटिस के खिलाफ भवानी ने अदालत का रुख किया था, लेकिन वहां से उन्हें निराशा हाथ लगी। एसआईटी के नोटिस के खिलाफ भवानी रेवन्ना की याचिका को कोर्ट ने याचिका खारिज कर दिया था। प्रज्ज्वल रेवन्ना के अश्लील वीडियो के मामले में उसके पिता एचडी रेवन्ना भी गिरफ्तार हो चुके हैं और फिलहाल जमानत पर हैं। प्रज्ज्वल रेवन्ना पर एक महिला को अगवा करने और कथित तौर पर उसका यौन शोषण करने का आरोप है। इसी मामले में भवानी भी आरोपी हैं।

फतेहगढ़ साहिब सरहिंद में बड़ा हादसा

दो मालगाड़ी और एक यात्री ट्रेन टकराई...पायलट समेत कई घायल

फतेहगढ़ साहिब में बड़ा हादसा हुआ है। सरहिंद रेलवे स्टेशन से कुछ ही दूरी पर माधोपुर चौकी नजदीक रविवार तड़के करीब 3:30 रेल हादसा हुआ है। यहां दो गाड़ियों की टक्कर हो गई। एक माल गाड़ी का इंजन पलट गया और पैसेंजर गाड़ी भी लपेट में आई। हादसे में दो लोको पायलट घायल हो गए। इनकी पहचान सहारनपुर यूपी के विकास कुमार (37) और हिमांशु कुमार (31) के तौर पर हुई है। इन्हें 108 एंबुलेंस की मदद से सिविल अस्पताल फतेहगढ़ साहिब में भर्ती कराया गया, जहां पर उनकी हालत गंभीर देखते हुए डॉक्टर ने उन्हें राजिंद्रा अस्पताल पटियाला रेफर किया। सिविल अस्पताल फतेहगढ़ साहिब में मौजूद डॉक्टर इवेनप्रीत कौर ने बताया कि विकास कुमार के सिर में हेड इंजरी आई है। हिमांशु की पीठ पर इंजरी है, हालत गंभीर है। गनीमत यह रही कि इस हादसे में बड़ा जानी नुकसान नहीं हुआ है।

यह हादसा मालगाड़ियों के लिए बने डीएफसीसी ट्रैक के न्यू सरहिंद स्टेशन के पास हुआ। यहां पहले से कोयले से लोड दो गाड़ियां खड़ी थीं। एक मालगाड़ी का इंजन खुलकर दूसरी से टकराया और फिर इंजन पलटकर अंबाला से जम्मू तवी की तरफ जा रही पैसेंजर गाड़ी समर स्पेशल में फंस गया। हादसे में मालगाड़ी की बोगियां भी एक दूसरे पर चढ़ गईं। जैसे ही पैसेंजर गाड़ी की टक्कर हुई तो इसमें सवार सैकड़ों यात्रियों में चीख पुकार मच गई। हादसे में दो लोको पायलट घायल हुए हैं। दूसरी तरफ अंबाला से लुधियाना अप लाइन बिलकुल ठप हो गई है। अंबाला डिवीजन के डीआरएम समेत रेलवे, जीआरपी और आरपीएफ के सीनियर अधिकारी भी मौके पर पहुंचे।

दक्षिण-पश्चिम मानसून के जल्द दस्तक देने से केरल में तबाही

भारी बारिश के कारण कई इलाके जलमग्न

कोच्ची। केरल में दक्षिण-पश्चिम मानसून के जल्द दस्तक देने के दो दिन बाद राज्य के कई हिस्सों में भारी बारिश हुई। भारी बारिश के प्रभाव से इलाकों में भूस्खलन और जलभड़ाव की समस्या उत्पन्न हो गई। कोट्टायम, इडुक्की और एनार्कुलम के कुछ इलाकों में शुक्रवार रात से ही भारी बारिश जारी है। शुक्रवार की रात पहाड़ी जिले इडुक्की के अंदरूनी इलाकों में स्थित पूचपरा और कोलप्परा इलाकों में भूस्खलन के कारण कई मकान और वाहन क्षतिग्रस्त हो गए। हालांकि, किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। भूस्खलन के संभावित खतरे के कारण थोडुपुझा-पुलियानमाला राज्य राजमार्ग पर यातायात प्रतिबंध लगा दिया गया है। भूस्खलन के कारण संभावित खतरे को देखते हुए थोडुपुझा-पुलियानमाला राज्य राजमार्ग पर यातायात प्रतिबंध लगा दिया गया है। इडुक्की में मलंकारा बांध के पांच द्वार खोले जाने के बाद थोडुपुझा और मुवत्तुपुझा नदियों के किनारे रहने वालों को सावधानी बरतने की सलाह दी गई।

कोट्टायम के कई इलाकों में जलभराव कोट्टायम जिले के विभिन्न इलाकों में भारी बारिश के मद्देनजर मीनाचल और मणिमाला नदियों के पास रहने वाले लोगों को भी सतर्क रहने के लिए कहा गया है। शुक्रवार की शाम लगातार बारिश होने के कारण कोट्टायम के कई इलाकों में जलभराव हो गया। अधिकारियों ने बताया कि शुक्रवार रात को वडावथूर क्षेत्र में 100 मिमी और कोट्टायम के शहरी क्षेत्रों में 99 मिमी बारिश हुई। एनार्कुलम के अलुवा क्षेत्र में 31 मई की रात से ही भारी बारिश हो रही है। भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) की जानकारी के अनुसार, शनिवार सुबह एनार्कुलम, त्रिशूर और मलप्पुरम जिलों में एक या दो स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश और 40 किमी प्रति घंटे तक की गति के साथ आंधी चली।

कन्याकुमारी में 45 घंटे ध्यान लगाने के बाद पीएम दिल्ली के लिए रवाना

नई दिल्ली। तमिलनाडु के कन्याकुमारी में ध्यान मंडपम में 45 घंटे तक ध्यान लगाने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी विवेकानंद रॉक मेमोरियल से रवाना हो गए। रवाना होने से पहले पीएम मोदी ने विवेकानंद रॉक मेमोरियल के पास स्थित संत और तमिल सांस्कृतिक प्रतीक तिरुवल्लुवर की प्रतिमा पर पुष्पांजलि भी अर्पित की। पीएम मोदी ने यहां से निकलने से पहले विजिटर बुक में लिखा कि उन्हें यहां आकर अलौकिक और अद्भुत ऊर्जा का अनुभव हुआ।

प्रधानमंत्री मोदी ने विजिटर बुक में लिखा कि भारत के अंतिम छोर कन्याकुमारी स्थित विवेकानंद शिला स्मारक में आकर मैं एक अलौकिक और अद्भुत ऊर्जा का अनुभव कर रहा हूं। इसी शिला पर मां पार्वती और स्वामी विवेकानंदजी ने तपस्या की थी। आगे चलकर इस शिला स्मारक के रूप में एकनाथ रानडे जी ने स्वामी विवेकानंदजी के विचारों को जीवंत कर दिया।

पीएम ने आगे लिखा- आध्यात्मिक नवजागरण के प्रणेता विवेकानंदजी मेरे आदर्श, मेरी ऊर्जा और मेरी साधना के स्त्रोत रहे हैं। वर्षों पूर्व पूरे देश का भ्रमण करने के बाद जब स्वामी विवेकानंदजी ने इस स्थान पर आकर तप किया था, तो यहीं पर उन्हें भारत के पुनरुत्थान की एक नई दिशा प्राप्त हुई थी। यह मेरा सौभाग्य है कि आज इतने वर्षों के बाद जब स्वामीजी के मूल्यों और आदर्शों पर चलते हुए उनके सपनों का भारत आकार ले रहा है। तो मुझे भी इस पवित्र स्थान पर साधना का अवसर मिला है।

उन्होंने आगे लिखा- इस शिला स्मारक में मेरी यह साधना मेरे जीवन के अविस्मरणीय क्षणों में से एक है। मां भारती के चरणों में बैठकर आज मैं एक बार फिर से संकल्प दोहराता हूं कि मेरे जीवन का पल-पल और शरीर का कण-कण सदैव राष्ट्र की सेवा में समर्पित रहेगा। राष्ट्र की उन्नति और देशवासियों के कल्याण की कामना के साथ मां भारती को कोटि-कोटि नमन।

सुबह-सुबह सूर्य को जल अर्पण- शनिवार को सामने आए एक नए वीडियो में प्रधानमंत्री सुबह-सुबह सूर्य को जल अर्पण और मंत्रोच्चार करते दिखे। वह हाथ में रुद्राक्ष की माला लिए विशाल शांत समुद्र को निहारते हुए मंदिर परिसर में खाली पांव घूमते नजर आए। इसके बाद वो मेमोरियल के एक हॉल में स्वामी विवेकानंद की तस्वीर के सामने ध्यान के लिए बैठ गए।

आस्था स्थलः उज्जैन के महाकालेश्वर मंदिर में बुकिंग व्यवस्था को बनाया गया सुगम और पारदर्शी

अब मनचाही तारीख पर महाकाल की भस्मारती कर पाएंगे श्रद्धालु

उज्जैन। उज्जैन के महाकालेश्वर मंदिर में सुप्रसिद्ध भस्म आरती की बुकिंग व्यवस्था को लेकर अब थोड़ा बदलाव किया गया है। इसके तहत श्रद्धालु मनचाही तारीख पर बाबा महाकाल की भस्म आरती कर पाएंगे। इस व्यवस्था को और भी सुगम और पारदर्शी बनाया गया, जिससे कि अब बाहर से आने वाले श्रद्धालुओं को भस्म आरती के प्लानिंग करने में भी कोई समस्या नहीं आएगी। उज्जैन कलेक्टर नीरज कुमार सिंह के निर्देशन में नई व्यवस्था शनिवार से लागू कर दी गई है, जिसमें पहले आओ पहले पाओ के आधार श्री महाकालेश्वर मंदिर की वेबसाइट पर एक जुलाई से 31 जुलाई तक के लिए 9,153 श्रद्धालुओं की भस्म आरती की रिक्वेस्ट स्वीकृत की गई है। साथ ही अगस्त, सितंबर और अक्तूबर महीने की बुकिंग भी ओपन रहेगी।

पहले से ही कर पाएंगे प्लान नई व्यवस्था के तहत अब श्रद्धालु पहले से ही अपनी भस्म आरती प्लान सकेंगे, जिसमें हर महीने की एक तारीख को अगले महीने की भस्म आरती की बुकिंग जारी कर दी जाएगी। जैसे कि एक जून को अगले जुलाई महीने की बुकिंग जारी की गई है। साथ ही उसके आगामी तीन महीने के लिए भस्म आरती की बुकिंग ओपन रहेगी। श्रद्धालुओं को अपनी भस्म आरती बुकिंग की जानकारी उनके द्वारा दिए गए मोबाइल नंबर पर भेजी जाएगी। श्रद्धालुओं को 24 घंटे के अंदर निर्धारित शुल्क जमा कर अपने पास जनरेट करने होंगे। 24 घंटे के अंदर पास नहीं जनरेट करने पर श्रद्धालु की रिक्वेस्ट कैंसल कर दी जाएगी और वेटिंग लिस्ट की मैरिट के आधार पर श्रद्धालु की रिक्वेस्ट स्वीकार की जाएगी।

श्रद्धालु इस प्रकार कर सकेंगे बुकिंग श्रद्धालु अपनी भस्म आरती की बुकिंग के लिए श्री महाकालेश्वर मंदिर की वेबसाइट पर जाकर भस्म आरती के एडवांस बुकिंग के ऑप्शन पर क्लिक कर अगस्त, सितंबर और अक्टूबर महीने के लिए अपनी भस्म आरती बुक कर सकते हैं। भस्म आरती की बुकिंग की पुरानी व्यवस्था जिसमें 15 दिन पहले भस्म आरती बुक की जाती थी। इसे 15 जून तक पूर्ण रूप से बंद कर दिया जाएगा। गौरतलब है कि पहले पोर्टल खोलते ही 10 से 15 मिनट के अंतराल में भस्म आरती बुकिंग फूल हो जाती थी। इससे श्रद्धालुओं को काफी असुविधा होती थी। नई व्यवस्था के तहत श्रद्धालु अब अपनी भस्म आरती प्लान कर सकेंगे।

धीरेंद्र शास्त्री के भाई ने लॉरेंस विश्नोई के नाम से दी धमकी

छतरपुर। पंडित धीरेंद्र शास्त्री के भाई शालिग्राम गर्ग पर उनके ही दोस्त रहे जीतू तिवारी ने धमकी देने का आरोप लगाया है। इससे पहले भी जीतू तिवारी से मारपीट को लेकर एफआईआर दर्ज की गई थी। अब आरोप है कि शालिग्राम ने मैसेज में लिखा -72 घंटे में तेरा खेल खत्म लॉरेंस विश्नोई को जानता ही होगा सर्च कर लेना, पीड़ित परिवार शालिग्राम गर्ग की शिकायत लेकर बमीठा पुलिस थाना पहुंचा। पूरे मामले में एसपी अगम जैन का कहना है, स्क्रीन शॉर्ट संज्ञान में आया है। जांच के बाद कार्रवाई की जाएगी। बागेश्वर धाम के महंत और कथावाचक पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री के भाई शालिग्राम गर्ग पर एक बार फिर मारपीट के आरोप लगे थे। शालिग्राम का एक वीडियो सामने आया।

प्रमाणिक मृत्यु पूर्व बयान दोषसिद्धि का एकमात्र आधार हो सकता है

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि मृत्यु पूर्व दिया गया बयान और अगर उस पर अदालत को विश्वास है तो वह बिना किसी पुष्टि के अभियुक्त की दोषसिद्धि का एकमात्र आधार हो सकता है। सुप्रीम कोर्ट ने 15 मई को एक याचिका पर सुनवाई के दौरान ये बात कही। इसके साथ ही सर्वोच्च अदालत ने महाराष्ट्र के बीड में 22 साल पुराने मामले में पूर्व सैन्य कर्मी को पत्नी की हत्या के मामले में दोषसिद्धि को बरकरार रखा।

कोर्ट ने कहा कि अदालत को बेहद सावधानी से मृत्यु पूर्व कथन की जांच करनी होगी और यह सुनिश्चित करना होगा कि यह विश्वसनीय, सुसंगत और बगैर किसी पूर्व धारणा के दिया गया हो। कोर्ट ने कहा एक बार मृत्यु पूर्व कथन प्रमाणिक पाया जाता है और कोर्ट को भी उस पर विश्वास है तो बिना किसी पुष्टि के दोषसिद्धि का एकमात्र आधार हो सकता है। जस्टिस अभय एस ओका और जस्टिस उज्जल भुइयां की पीठ ने याचिका पर सुनवाई करते हुए कहा हालांकि मृत्यु पूर्व कथन को स्वीकार करने से पहले कोर्ट को इस बात से संतुष्ट होना पड़ेगा कि बयान बिना किसी दबाव और स्वेच्छा से दिया गया हो। मृत्यु पूर्व बयान से एक पवित्रता जुड़ी होती है और यह दोषसिद्धि का एकमात्र आधार हो सकता है।

निर्दयी तरीके से की गई थी महिला की हत्या अभियोजन पक्ष के वकील ने कोर्ट को बताया कि पीड़िता के साथ उसके पति, देवर और अन्य परिजनों ने निर्दयता की थी। घटना वाले दिन महिला को उसके पति और देवर द्वारा पीटा गया और फिर उसके हाथ गमछे, पैर तौलिये से बांधकर और मुंह में कपड़ा ठूंसकर उस पर केरोसिन डालकर जला दिया गया। घटना में महिला पूरी तरह से जल गई थी। पड़ोसियों ने महिला को अस्पताल पहुंचाया था, जहां महिला ने मरने से पहले अपना बयान दर्ज कराया था, जिसके आधार पर पुलिस ने आईपीसी की धारा 307, 498ए, 342, 323 और 504 के तहत मामला दर्ज किया था।

एग्जिट पोल में इस बार एनडीए के लिए खुले दक्षिण के द्वार

नई दिल्ली। एग्जिट पोल रिपोर्ट के आधार पर भाजपा का 400 सीट जीतने का दावा फेल होता नजर आ रहा है। अलग-अलग आए अधिकतर एग्जिट पोल के अनुसार सबसे अधिक सीटें 392 सीटें एनडीए के खाते में जा रही हैं। हालांकि 400 का आंकड़ा दो एग्जिट पोल यूज 24- टुडेज चाणक्य और इंडिया टीवी-सीएनएक्स ने दिया है।गौरतलब है कि भाजपा ने चुनाव में एनडीए को 400 और भाजपा को 370 सीटें मिलने का दावा किया था।इंडिया न्यूज-डी-डायनमिक्स ने 371 सीटें एनडीए के खाते में जाने की बात कही है। जन की बात एनडीए को 362 से 392 सीटें दे रहा है। हालांकि इसके अनुसार एनडीए 400 के काफी करीब पहुंच रही है। न्यूज नेशन 342 से 378 सीटें और रिपब्लिक भारत-मैट्रिज 353 से 368 सीटें एनडीए दे रहा है। इसके अलावा रिपब्लिक टीवी- पी एमएआरक्यू 359 और एनडीटीवी 358 सीटें दे रहा है। दैनिक भास्कर ने अपने एग्जिट पोल सर्वे में एनडीए को 281 से 350 सीटें देने का दावा किया है।

दक्षिण में भाजपा का जनाधार बढ़ने का अनुमानएग्जिट पोल के चौंकाने वाले अनुमान सामने आए हैं। दक्षिण भारतीय राज्यों में भाजपा का जनाधार बढ़ने का अनुमान है। पूरे लोकसभा चुनाव के दौरान इस बात की चर्चा थी कि भाजपा को उत्तर भारत में कुछ सीटों का नुकसान हो सकता है। ऐसे में पार्टी को दक्षिण भारत से इस नुकसान की भरपाई की उम्मीद थी। फिलहाल के एग्जिट पोल में कुछ ऐसा ही होता दिखाई दे रहा है। सी-वोटर के एग्जिट पोल के मुताबिक, आंध्रप्रदेश की 25 लोकसभा सीटों पर एनडीए को 21-25 सीटें मिल सकती हैं। कांग्रेस और सत्ताधारी पार्टी- वाईएसआर कांग्रेस का सूपड़ा साफ होने का अनुमान है। इसके अलावा कांग्रेस शासित प्रदेश कर्नाटक में भी भाजपा नीत एनडीए को 23-25 सीटें मिलने का अनुमान है। कर्नाटक में कुल 28 लोकसभा सीटें हैं। सी-वोटर के एग्जिट पोल अनुमान के मुताबिक विपक्षी दलों के गठबंधन- इंडिया के प्रत्याशियों को 3-5 सीटें मिल सकती हैं। एक अन्य दक्षिण भारतीय प्रदेश तेलंगाना में भी एनडीए को बड़ी बढ़त के आसार हैं। तेलंगाना की 17 लोकसभा सीटों में भाजपा को 7-9 सीटें मिलने का अनुमान है, जबकि चंद महीने पहले सत्ता पर काबिज हुई कांग्रेस को भी इतनी ही सीटें मिल सकती हैं। प्रदेश की विधानसभा में विपक्षी दल- भारत राष्ट्र समिति का सूपड़ा साफ होने का अनुमान है, जबकि ऑल इंडिया मजलिस ए इत्तेहादुल मुस्लिमीन को एक सीट मिलने के आसार हैं।

ओडिशा और बंगाल में भी भाजपा को फायदे का अनुमान ओडिशा और पश्चिम बंगाल में भी भाजपा को फायदे का अनुमान बताया जा रहा है। सर्वे में ओडिशा में भाजपा को 20 सीटें तक जीतने का अनुमान लगाया जा रहा है। इसके साथ बीजद को एक या दो सीटें मिलने का अनुमान लगाया जा रहा है।

सिंगल कॉलम

इंदौर-बान्द्रा टर्मिनस स्पेशल ट्रेन के टिकटों की बुकिंग हुई शुरू

इंदौर। समर वेकेशन के दौरान ट्रेनों में यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को देखते हुए इंदौर से बान्द्रा टर्मिनस के मध्य गाड़ी संख्या 09048/09047 इंदौर बान्द्रा टर्मिनस इंदौर स्पेशल दोनों दिशाओं में दो-दो फेरे स्पेशल ट्रेन का परिचालन स्पेशल किराया के साथ किया जाएगा। गाड़ी संख्या 09048 इंदौर बान्द्रा टर्मिनस स्पेशल 02 जून रविवार और 04 जून मंगलवार को इंदौर से 19.15 बजे चलकर रतलाम मंडल के देवास(19.40/19.42), उज्जैन(20.25/20.30), नागदा(21.15/21.17), रतलाम(21.55/22.05) होते हुए अगले दिन यानी सोमवार और शुक्रवार को 08.50 बजे बान्द्रा टर्मिनस स्टेशन पहुंचेगी। इसी प्रकार वापसी में गाड़ी संख्या 09047 बान्द्रा टर्मिनस इंदौर स्पेशल 03 जून सोमवार और 05 जून बुधवार को बान्द्रा टर्मिनस से 11.50 बजे चलकर रतलाम मंडल के दाहोद(22.00/22.02), रतलाम(23.40/23.45), नादगा(00.25/00.27), उज्जैन(01.30/01.35) एवं देवास(02.11/02.13) बजे होते हुए अगले दिन यानी मंगलवार और गुरुवार को 04.40 बजे इंदौर स्टेशन पहुंचेगी। इस ट्रेन का दोनों दिशाओं में देवास, उज्जैन, नागदा, रतलाम, दाहोद, गोधरा, वडोदरा, भरुच, सूरत, वापी एवं बोरीवली स्टेशनों पर ठहराव दिया गया है। इस ट्रेन में 18 स्लीपर श्रेणी के कोच रहेंगे। इस ट्रेन में टिकटों की बुकिंग शनिवार शाम 4 बजे से शुरू हो गई है।

सिरपुर ग्रीन वेस्ट कम्पोस्ट प्लांट फिर शुरू होगा, जीटीएस का भी होगा रिनोवेशन

इंदौर। निगम कमिश्नर शिवम वर्मा ने शनिवार को शहर की सफाई व्यवस्था के साथ ही सिरपुर क्षेत्र में जीटीएस और नाले का निरीक्षण किया। उन्होंने जल स्तोत्र के संरक्षण को लेकर जगदीशपुरी का निरीक्षण किया गया। यहां सिरपुर तालाब के ओवरफ्लो का पानी आता है। इस पर उन्होंने जगदीशपुरी नाले के आसपास के अतिक्रमण को हटाने के निर्देश दिए। निगम कमिश्नर ने सिरपुर स्थित ग्रीन वेस्ट कम्पोस्ट प्लांट का निरीक्षण किया। उन्होंने इसे फिर से चालू करने के निर्देश दिए। साथ ही यहां स्थित जीटीएस का भी निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने जीटीएस पर रिनोवेशन करने के लिए निर्देश कहा। निरीक्षण में उनके साथ अपर आयुक्त सिद्धार्थ जैन, एक्जीक्युटिव इंजीनियर महेश शर्मा, सुनील गुप्ता आदि अधिकारी उपस्थित थे।

पेपर लीक के बाद एबीवीपी ने की यूनिवर्सिटी में धारा 52 लगाने की मांग

इंदौर। एबीवीपी यानी अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने देवी अहिल्या विश्वविद्यालय में धारा 52 लगाने की मांग की है। उन्होंने उच्च शिक्षा मंत्री इंदरसिंह परमार को ज्ञापन सौंपा है। विश्वविद्यालय में लगातार पेपर आउट के मामले सामने आ रहे हैं। अभाविप के नगर महामंत्री सार्थक जैन ने बताया कि देवी अहिल्या विश्वविद्यालय इंदौर में निरंतर पेपर लीक की घटना सामने आ रही है। पिछले महीने 25 मई के एमबीए प्रथम सेमेस्टर का क्वान्टेटिव टेक्निक्स का पेपर 24 मई को लीक हुआ। दोबारा 28 मई को होने वाला अकाउंटिंग फॉर मैनेजर्स का पेपर भी 27 मई की दोपहर में ही लीक हो गया। 30 मई को होने वाला आईटी एन्ड ई बिजनेस फंडामेंटल का पेपर भी 29 मई को लीक हुआ, जिसके बाद विश्वविद्यालय प्रशासन ने उस पेपर को रातों-रात बदल दिया। पेपर बदले जाने के बाद भी लगभग 60 परसेंट पेपर पहले से ही छात्रों के पास आ गया था। अभाविप द्वारा यूनिवर्सिटी की कुलपति को इस बारे में बताया गया लेकिन किसी भी प्रकार की कार्यवाही नहीं हो रही है। यूनिवर्सिटी ने पेपर लीक की घटना की एफआईआर भी 30 मई को करवाई गई जबकि पहला पेपर 24 मई को लीक हुआ था। एबीवीपी ने कहा कि कुलपति इस विषय पर न तो उचित निर्णय ले रही हैं बल्कि प्रभारी परीक्षा नियंत्रक पर भी किसी भी प्रकार की कार्यवाही नहीं की जा रही है। प्रभारी परीक्षा नियंत्रक को बचाने का कार्य कुलपति द्वारा लगातार किया जा रहा है। कुलपति का इस प्रकार का आचरण विश्वविद्यालय की ओर उनकी उदासीनता को प्रकट करता है। इसके पूर्व भी विश्वविद्यालय में विभिन्न प्रकार की अनियमितता सामने आई है। अतः अभाविप विश्विद्यालय में हो रही विभिन्न समस्याओं पर कुलपति की उदासीनता को देखते हुए विश्वविद्यालय में धारा 52 लगाकर विश्वविद्यालय और छात्रों के हित में उचित निर्णय की मांग करता है।

इंदौर संसदीय क्षेत्र के लिए 19 राउंड की मतगणना के बाद सामने आएगा अंतिम परिणाम

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर जिले में लोकसभा चुनाव के मतों की गणना की तैयारी नेहरू स्टेडियम में अंतिम दौर में पहुंच चुकी है। यहां इंदौर लोकसभा में आने वाले आठ विधानसभा क्षेत्र और धार लोकसभा के एक विधानसभा क्षेत्र के मतों की गणना नौ कक्षों में होगी। इसके लिए कुल 169 टेबलें लगाई जाएंगी। इंदौर संसदीय क्षेत्र के मतों की गणना 151 टेबलों पर होगी और 19 राउंड के बाद अंतिम परिणाम आएगा। इंदौर में कांग्रेस प्रत्याशी नहीं होने से मतगणना में मशक्कत देखने को नहीं मिलेगी, पर महू विधानसभा क्षेत्र पर खासा फोकस रहेगा। धार लोकसभा क्षेत्र में आने वाली महू विधानसभा के मतों की गणना इंदौर में ही होगी। यहां कांग्रेस और भाजपा दोनों ही पार्टी के अभिकर्ता मतगणना के दौरान मौजूद रहेंगे। इंदौर क्षेत्र के 15 लाख 60 हजार 293 मतों की गणना 4 जून को नेहरू स्टेडियम में होना है। स्टेडियम के आठ कक्षों में आठ विधानसभा क्षेत्रों के अनुसार 151 टेबलें लगाई जा रही हैं। सुबह आठ बजे सबसे

पहले डाक मतपत्रों फिर ईवीएम के मतों की गणना शुरू होगी। प्रत्येक राउंड में 20 मिनट का समय लगेगा। उपजिला निर्वाचन अधिकारी राजेंद्र रघुवंशी ने बताया कि विधानसभा क्षेत्र इंदौर-पांच, राऊ और इंदौर-दो में 21-21 टेबलें लगेंगी। वहीं इंदौर-तीन और इंदौर-चार में 14-14 टेबलें लगेंगी। देपालपुर, सांवेर और इंदौर-एक में 20-20 टेबलें रहेंगी।

700 मतगणना कर्मियों को दिया प्रशिक्षण

मतगणना के लिए 700 कर्मचारियों को दो चरण में प्रशिक्षण दिया जा चुका है। इसमें अधिकारियों और कर्मचारियों को मतगणना की प्रक्रिया और परिणाम जारी करने जैसी कई बारीकियां बताई गईं। प्रशिक्षण का अंतिम चरण 31 मई को संपन्न हुआ है। अब मतगणना के पहले सभी को रेंडमली मतगणना टेबल का अलाटमेंट किया जाएगा।

महू में 280 ईवीएम के मतों की गणना इंदौर जिले का विधानसभा क्षेत्र महू धार संसदीय क्षेत्र का हिस्सा है। यहां के मतों की गणना इंदौर जिले में होगी। महू के डाक मतपत्रों की गिनती धार और ईवीएम के मत इंदौर में गिने जाएंगे।

इसके लिए धार लोकसभा से चुनाव लड़ने वाले प्रत्याशी अपने अभिकर्ता नियुक्त करेंगे। महू विधानसभा के एक लाख 96 हजार 440 मतों की गणना के लिए 18 टेबलें लगाई जाएंगी। यहां पर 280 बूथ की ईवीएम का परिणाम 16 राउंड के बाद आएगा।

मतगणना स्थल की बिजली नहीं होगी गुल, कक्षों में लग रहे पंखे-कूलर

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। इंदौर में मतगणना की तैयारियां निर्वाचन आयोग ने पूरी कर ली है। नेहरु स्टेडियम के आठ कक्षों में मतों की गिनती सुबह सात बजे से शुरू हो जाएगी। गर्मी के मौसम में मतगणनाकर्मियों को राहत देने के लिए पंखों के अलावा कूलर भी लगाए जा रहे हैं।

मतगणना स्थल की बिजली गुल नहीं होगी। इसके लिए बिजली कंपनी को कहा गया है। मतगणना में आठ सौ कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई है। निर्वाचन कार्यालय द्वारा कर्मचारियों को प्रशिक्षण दिया गया है। उधर राजनीतिक दलों ने भी मतगणना एजेंटों को प्रशिक्षण दिया है। कांग्रेस का अधिकृत उम्मीदवार इंदौर में नहीं है, लेकिन कांग्रेस कार्यकर्ता निर्दलीय उम्मीदवारों के एजेंट के रुप में कक्ष में मतगणना पर नजर रखेंगे। उनका फोकस नोटा को मिले वोटों पर रहेगा।

मतगणना स्थल पर सुबह सात बजे के बाद राजनीतिक एजेंटों को प्रवेश नहीं दिया जाएगा। उन्हें मुख्य गेट से ही प्रवेश दिया जाएगा। उम्मीदवारों के प्रतिनिधियों की मौजूदगी में सुबह सात बजे स्ट्रांग रुम का ताला खोला जाएगा।

कहां किस विधानसभा क्षेत्र की गणना

स्टेडियम में सबसे पहले डाक मत पत्रों की गणना की जाएगी। इसके बाद अलग-अलग विधानसभा क्षेत्रों की काउंटिंग होगी। देपालपुर, एक नंबर विधानसभा,सांवेर, महू विधानसभा की मतगणना पहली मंजिल पर होगी, जबकि तल मंजिल पर दो नंबर, तीन नंबर, पांच नंबर और चार नंबर विधानसभा क्षेत्र की मतगणना होगी। सबसे ज्यादा मतगणना के राउंड (22) चार नंबर विधानसभा क्षेत्र में होंगे, जबकि सबसे कम राउंड तीन नंबर विधानसभा(16) में होंगे। इंदौर में भाजपा प्रत्याशी शंकर लालवानी को इस बार कोई बड़ी चुनौती नहीं है,क्योकि नामांकन तिथि के अंतिम दिन कांग्रेस उम्मीदवार अक्षय बम ने नामांकन वापस ले लिया था।

50 सीसीटीवी कैमरों से रखी जाएगी नजर

इंदौर स्थित नेहरू स्टेडियम के स्ट्रांग रूम से मतगणना हॉल तक ईवीएम की आवाजाही पर कुल 50 सीसीटीवी कैमरों से नजर रखी जाएगी। लोकसभा चुनाव, 2024 के संबंध में भारत के चुनाव आयोग द्वारा जारी निर्देशों के अनुसार मुख्य निर्वाचन अधिकारी अनुपम राजन ने वोटों की गिनती के लिए वीडियो और सीसीटीवी कवरेज के लिए दिशानिर्देश जारी किए हैं। मतगणना में पारदर्शिता, मतगणना स्थलों पर वीडियो एवं सीसीटीवी के माध्यम से प्रक्रिया सुनिश्चित की जा सकेगी।

मतगणना को लेकर बरती जा रही सतर्कता अतिरिक्त कलेक्टर एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी राजेंद्र सिंह रघुवंशी ने बताया कि 4 जून को होने वाली मतगणना के संबंध में संपूर्ण मतगणना प्रक्रिया और ईवीएम की गतिविधियों पर नजर रखने के लिए 4 कैमरे लगाए जाएंगे। प्रत्येक मतगणना हॉल के अंदर और 4 मतगणना केंद्र परिसर के बाहर। अधिकतम 10 कैमरे लगाए जा सकते हैं। इंदौर जिले के सभी 9 विधानसभा क्षेत्रों के लिए कुल 36 कैमरे लगाए जाएंगे, डाक मतपत्र कक्ष क्रमांक एच-10 में 4 कैमरे और मतगणना स्थल परिसर में कुल 10 कैमरे, इस प्रकार कुल 50 कैमरे लगाए जाएंगे। नेहरू स्टेडियम में सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे।

मप्र के 29 लोकसभा क्षेत्रों में 116 प्रेक्षक

29 लोकसभा क्षेत्रों में मतगणना पर नजर रखने के लिए 116 प्रेक्षकों को नियुक्त किया गया हैं। प्रेक्षकों की नियुक्ति विधानसभा क्षेत्र के अनुसार की जाएगी। इंदौर के लिये डॉ. आर सेल्वाराज, धार-इंदौर के लिये भंवर लाल मेहरदा को नियुक्त किया गया है।

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी मध्यप्रदेश अनुपम राजन ने बताया है कि मतगणना के लिए प्रदेश में सारी तैयारी पूरी हो चुकी है। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा प्रदेश में लोकसभा निर्वाचन-2024 की मतगणना की निगरानी के लिए 116 मतगणना प्रेक्षकों की नियुक्ति की गई है। सभी 29 लोकसभा क्षेत्र में आने वाले विधानसभा क्षेत्रों के लिए नियुक्त किए गए मतगणना प्रेक्षकों की उपस्थिति में काउंटिंग की प्रक्रिया पूरी कराई जाएगी।

नियुक्त किए गए ये प्रेक्षक

लोकसभा संसदीय क्षेत्र गुना के लिये के कन्ना बाबू, विदिशा-देवास के लिये मिंटो डिर्ची, सीधी के लिये रामेन चन्द्र मालाकार, शहडोल के लिये शांतनु पी गोटमारे, भोपाल के लिये पुबाली गोहेन, धार के लिये हिमांशु कुमार राय, शहडोल के लिये कृत्यानंद रंजन, शहडोल के लिये कुंदन कुमार, शहडोल के लिये महफूज आलम, राजगढ़ के लिये राम कुमार पोद्दार, रीवा के लिये संजीव कुमार, भिंड के लिये रंजीता, सतना के लिये अनूप ठाकुर को जिम्मेदारी दी गई है। सागर-दमोह के लिये अंजली सहरावत, होशंगाबाद के लिये पूनम, जबलपुर के लिये एडी जोशी, छिंदवाड़ा के लिये डीपी चौहान, रतलाम के लिये जीवी मियानी, रतलाम के लिये एचपी पटेल, खंडवा के लिये जेबी वडार, रीवा के लिये जेएम तुवर, खजुराहो के लिये जेपी अंसारी, सतना के लिये केआर पटेल, विदिशा-भोपाल के लिये केएस झाला, भोपाल के लिये केवी भलोदिया, जबलपुर के लिये एमके जोशी, मंडला के लिये एमके प्रजापति, मुरैना के लिये एमपी पटेल, ग्वालियर के लिये वायएस चौधरी, भिंड के लिये अंकिता के परमार, ग्वालियर के लिये आईके चौहान, गुना के लिये केएम शेथ, रीवा के लिये निशांत ठाकुर को नियुक्त किया गया हैं। बैतूल के लिये प्रदीप कुमार ठाकुर, बालाघाट के लिये शुभ करन सिंह, मंडला के लिये भूपेंद्र सिंह, छिंदवाड़ा के लिये दुसमंता कुमार बेहेरा, राजगढ़ के लिये तरूण कुमार पवरिया, मंदसौर के लिये अबूबकर सिद्दीक पी, टीकमगढ़ के लिये दीपक कुमार, उज्जैन के लिये गिरिजा शंकर प्रसाद, मंडला-होशंगबाद के लिये नागेन्द्र पासवान, विदिशा-देवास-खंडवा के लिये सुनील कुमार सिंह आई, होशंगबाद-विदिशा के लिये सूरज कुमार, उज्जैन के लिये सुनीता कुमारी चौरसिया को नियुक्त किया गया है।

ट्रैफिक में बाधक बना एमआर-10 टोल नाके को तोड़ने का काम शुरू

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। इंदौर के एमआर-10 ब्रिज के टोल टैक्स से 18 साल बाद वाहन चालकों को मुक्ति मिली और अब टोल नाके को भी तोड़ा जा रहा है। टैक्स खत्म होने के बाद कंपनी ने यहां कर्मचारी हटा लिए थे। उसके बाद नाका ट्रैफिक में बाधक बन रहा था। इंदौर विकास प्राधिकरण ने ठेकेदार कंपनी को नाका तोड़ने के लिए कहा था।

शनिवार से नाका तोड़ने का काम शुरू हो गया। इस कारण मध्य लेन से ट्रैफिक का आवाजाही पर रोक दी गई है। नाका तोड़ने में सात दिन का समय लगेगा,क्योकि नाके का पक्का निर्माण किया गया था। पहली मंजिल पर दो बड़े हॉल भी बनाए गए थे। इसके अलावा छत पर बड़ा होर्डिंग भी लगाया गया था। टैक्स वसूलने की समयसीमा खत्म होने के बाद प्राधिकरण अफसरों ने एक माह के भीतर नाका तोड़ने के निर्देश दिए थे,क्योकि ट्रैफिक के बढ़ते के कारण प्राधिकरण पुराने ब्रिज के पास एक और फोरलेन ब्रिज का निर्माण कर रहा है। इसका फिजिबिलिटी सर्वे कराया जा रहा है। तीन साल के भीतर नया ब्रिज बनकर तैयार हो जाएगा, क्योकि वर्ष 2028 में उज्जैन में सिंहस्थ मेले लगने वाला है। तब सबसे ज्यादा ट्रैफिक का दबाव इस मार्ग पर ही रहेगा।

18 साल तक वसूला गया टोल टैक्स

वर्ष 2004 में सिंहस्थ मेले को देखते हुए इंदौर विकास प्राधिकरण ने चंद्रगुप्त मौर्य प्रतिमा से सांवेर रोड तक सड़क बनाई थी। रेलवे ट्रेक पर तब प्राधिकरण ने ब्रिज बनाने की अनुमति ली थी। तब प्राधिकरण के पास ज्यादा राशि नहीं थी। इस कारण ब्रिज का जिम्मा महू की जिस कंपनी को दिया गया। उसे 18 साल तक टोल टैक्स वाहन चालकों से लेने का अनुबंध प्राधिकरण ने किया था। आठ साल पहले ब्रिज नगर निगम सीमा का हिस्सा बन गया था। इस कारण इंदौर के वाहनों से टोल टैक्स नहीं लिया जाता था, लेकिन बाहरी वाहनों से टैक्स लिया जा रहा था।

इंदौर में लगातार दूसरे दिन पारा 40 डिग्री के पार, शुष्क वेस्टर्न डिस्टर्बेंस एक्टिव

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। इंदौर में चार दिन गर्मी से राहत मिलने के बाद मौसम फिर बदलने लगा है। दिन में गर्म हवा के कारण तापमान में 1 डिग्री का इजाफा हुआ है। रात में अब पहले की तुलना में राहत है। शुक्रवार को तापमान 40.6 (+1) डिग्री था। शनिवार को भी तापमान इतना ही रिकॉर्ड किया गया। इसके पूर्व गुरुवार को दिन का तापमान 39.5 (-1) और रात का तापमान 26 (0) डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया था। शुक्रवार को दिन में 25 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से गर्म हवाएं चली। इससे तापमान 1 डिग्री बढ़ गया और 40.6 (+1) डिग्री सेल्सियस रहा। इस दौरान गर्मी का असर देखा गया और लोग पसीने में तर रहे। रात के तापमान में हल्की गिरावट रही और 25.8 (0) डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया।

इसलिए बढ़ा गर्मी का असर

सीनियर मौसम वैज्ञानिक डॉ. वेदप्रकाशसिंह के मुताबिक ट्रफ लाइन, साइक्लोनिक सकुर्लेशन और वेस्टर्न डिस्टर्बेंस का असर कम होने से गर्मी का असर बढ़ा है। इसके बाद शुष्क वेस्टर्न डिस्टर्बेंस एक्टिव हो गया है। साथ ही पाकिस्तान, राजस्थान होते हुए गर्म हवाएं आने लगी, इससे तापमान में इजाफा हुआ। शनिवार को इंदौर संभाग के कुछ हिस्सों में तापमान में मामूली इजाफा हो सकता है।

ओले-बारिश और आंधी। मध्यप्रदेश में मई के महीने की शुरुआत कुछ इसी तरह के मौसम से हुई, लेकिन जब सूरज के तेवर तीखे हुए तो सारे रिकॉर्ड भी टूट गए। निवाड़ी का पृथ्वीपुर इतना तपा कि प्रदेश के इतिहास में दर्ज हो गया। 40 साल में पहली बार पृथ्वीपुर में टेम्प्रेचर 48.7 डिग्री पर पहुंचा, जिससे यह प्रदेश के इतिहास का दूसरा सबसे गर्म

दिन रहा। दतिया, रीवा, खजुराहो और सीधी में भी पहली बार टेम्प्रेचर 48 डिग्री के पार पहुंचा। मई के महीने में भीषण गर्मी पड़ने का ट्रेंड है। अबकी बार भी ऐसा ही हुआ, लेकिन शुरुआती 15 दिन में भी प्रदेश के आधे हिस्से में बारिश, आंधी के साथ ओले भी गिरे। 18 मई से टेम्प्रेचर बढ़ने लगा।

पचमढ़ी को छोड़कर सभी जिलों का पारा 40 से ऊपर

शनिवार को प्रदेश में पचमढ़ी एकमात्र स्थान रहा जहां पर अधिकतम तापमान 40 डिग्री सेल्सियस के नीचे 36.6 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड हुआ। इसके अलावा मध्य प्रदेश के सभी जिलों का तापमान 40 डिग्री सेल्सियस के ऊपर पहुंच गया। इस साल ऐसा पहली बार हुआ है जबकि इतने अधिक शहरों का तापमान 40 डिग्री सेल्सियस के ऊपर गया है।

प्रदेश युवा कांग्रेस अध्यक्ष ने मांगा मेयर का इस्तीफा

बोले- घोटाले के कारण शहर की छवि धूमिल हुई

इंदौर। प्रदेश युवा कांग्रेस के प्रदेशाध्यक्ष मितेंद्र सिंह यादव शनिवार को इंदौर आए। उन्होंने आरोप लगाया कि नगर निगम में 100 करोड़ रुपएका घोटाला हो गया। इसके लिए सबको अपना मित्र बताने वाले पुष्य मित्र भार्गव जिम्मेदार है। यादव ने आरोप लगाया कि नगर निगम में युवा मोर्चा से जुड़े लोग और अपने मित्र ठेकेदारों को बगैर काम के करोड़ों के भुगतान कर दिया। मेयर इंदौर को घोटाले में भी नंबर वन बनाना चाहते है। इस घोटाले के कारण इंदौर की सबसे साफ शहर की छवि भी धूमिल हुई है। मेयर भार्गव को नैतिकता के नाते इस्तीफा दे देना चाहिए। युवा कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष यादव ने कहा कि प्रदेश का नर्सिंग घोटाला व्यापमं घोटाले का अपडेट है। रोजगार के लिए जो युवा कॉलेज में पढ़ाई कर रहे थे। उनके भविष्य पर भाजपा सरकार ने प्रश्न चिन्ह लगा दिया।नर्सिंग कॉलेज को अनुमति का मामला स्वास्थ्य मंत्री की जानकारी में रहता है। मंत्री विश्वास सारंग भी जानते थे कि वे एक दो कमरे के भवनों में कॉलेज संचालित करने की अनुमति दे रहे है। वे भी इस घोटाले के लिए जिम्मेदार है। यादव ने कहा कि बुरहानपुर में फर्जी आंकड़े दिखाकर अफसरों ने जल मिशन का अवार्ड ले लिया, जबकि वहां के कई क्षेत्रों में पानी नहीं है। पूर्व मंत्री अंतर सिंह आर्य के सेंधवा के कोलकी गांव में पाइप की लाइन बिछी है, लेकिन नल नहीं लगे। कई ग्रामीण क्षेत्रों के तालाबों में जानवर और मनुष्य एक साथ पानी पीते है। यादव ने कहा कि गुजरात की कंपनियों ने जल मिशन का काम ठेके पर लिया। काम को कागजों पर पूरा दिखा दिया गया, लेकिन मौके पर काम नहीं हुआ। प्रदेश सरकार जनता से जुड़े मामलों में भी घोटाले करने में पीछे नहीं हट रही है।

पुलिस कमिश्नर को सौंपा ज्ञापन

युवा कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष मितेंद्र सिंह यादव ने युवा कांग्रेस की इंदौर इकाई और शहर कांग्रेस के साथ मिलकर पुलिस कमिश्नर से मुलाकात कर इंदौर में बढ़ते अपराध पर कार्रवाई करने के लिए ज्ञापन सौंपा। यादव ने कहा कि देश में चल रहे लोकसभा चुनाव 2024 की आदर्श आचार संहिता में अपराधों में और अधिक वृद्धि हुई है यह शहर की जगन्य अपराधों में पकड़े गए कई अपराधियों को भाजपा नेताओं के संरक्षण होने के कारण उन पर कड़ी कार्रवाई नहीं होना कानून व्यवस्था के लिए चिंता का विषय है। ऐसे में आम जनता कैसे सुरक्षित महसूस करेगी। इंदौर शहर के निवासी किस से उम्मीद करेंगे।

बच्चों की कलाओं से चहका गांधी भवन नृत्य, गायन और नाट्य में दिखाया हुनर

सिटी चीफ भोपाल।
गांधी जी के विचारों का समाज से अंगीकार करवाने वाला केंद्र गांधी भवन शनिवार की शाम कलाओं का घर बनकर महक रहा था। जहां किसी कोने में बचों की चित्रकलाएं पहाड़ों और जंगलों की कहानी कह रही थी, तो किसी मंच पर बचों के थिरकते कदम और उनका सुरीला गान उनकी मेहनत का बखान कर रहा था। यह आयोजन 15 दिवसीय कला शिविर के समापन अवसर पर आयोजित किया गया था। शिविर में शामिल हुए करीब 100 से अधिक बचों ने यहां कला की विविध विधाओं में अपने कौशल का प्रदर्शन किया।

क्ले और गोबर आर्ट के साथ चित्रकला का भी प्रदर्शन

सांस्कृतिक कार्यक्रम की शुरुआत बचों ने प्रार्थना के संगीतमय गायन से की। इसके बाद मां खादी की चादर... के गीत पर उनके सुर गूंजे।इसके बाद कलाबद्ध तरीके से योग और प्राणायाम का अभ्यास किया गया। वहीं अगले क्रम में लोक एवं शास्त्रीय नृत्य की प्रस्तुति हुई। जिसमें झूमर झूमर बजे.. पर राजस्थानी नृत्य किया। वहीं बुंदेलखंड के लोक नृत्य बधाई का भी प्रदर्शन किया गया। इसके साथ ही बचों द्वारा बनाए गए क्ले आर्ट, गोबर आर्ट और क्राफ्टिंग के माडल की भी एग्जीबिशन लगाई गई।वहीं पेंटिंग गैलरी में बचों की मोहक चित्रकला प्रदर्शित हुई।

नाटक में बापू ने दिया सच बोलने का संदेश

समारोह में राजेश बादल द्वारा लिखे गए नाटक बापू जब बचा थे का मंचन किया गया। कुलदीप रघुवंशी द्वारा निर्देशित 15 मिनट के इस नाटक में 12 बाल कलाकारों ने अभिनय किया। नाटक में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी बचों को झूठ नहीं बोलने की शिक्षा देते हैं। वह बचों को सिखाते हैं कि जीवन में हमेशा सत्य के मार्ग पर ही चलें क्योंकि इसी से जगत कल्याण है और यही मुक्ति का मार्ग है। कार्यक्रम के समापन पर तमाम ट्रेनिंग टीचर्स और प्रतिभागियों को सर्टिफिकेट बांटे गए।

चलती बाइक पर सराफा व्यापारी को मारी तलवार, सोना लूटने की कोशिश

सिटी चीफ भोपाल।
दुकान बंद करने के बाद सोना, नकदी लेकर बाइक से घर जा रहे सराफा व्यापारी पर रास्ते में बदमाशों ने हमला कर दिया। उन्होंने चलती बाइक पर व्यापारी के गले में पीछे की तरफ तलवार मारी। उसके बाद हाथ पर तलवार से वार कर बैग छीनने की कोशिश की। मदद के लिए शोर मचाने पर बदमाश भाग निकले। वारदात शुक्रवार रात कोहेफिजा थाना इलाके में हलालपुर स्थित पटाखा बाजार के पास हुई। शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने छानबीन शुरू कर दी है। पुलिस घटना स्थल के आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज खंगालकर बदमाशों का सुराग पता कर रही है। कोहेफिजा थाना पुलिस के मुताबिक बैरागढ़ निवासी जितेंद्र वलेचा की चौक बाजार में सराफा दुकान है। शुक्रवार को वह दुकान बंद करने के बाद बाइक से अपने घर लौट रहे थे। उनके पास बैग में सोने की 20 अंगूठियां और एक लाख रुपये रखे हुए थे। रात करीब 10 बजे वह हलालपुर स्थित पटाखा बाजार के पास से गुजर रहे थे, तभी पीछा करते आ रहे तीन युवकों ने तलवार से जितेंद्र पर हमला किया। इससे उनके गले में पीछे की तरफ चोट लगी। घबराकर उन्होंने बाइक रोक दी। वह कुछ सहज हो पाते, तभी बदमाश फिर पलटकर आए और हाथ पर वार कर बैग छीनने की कोशिश की। इस पर जितेंद्र ने शोर मचाया, तो आसपास के लोग मदद के लिए आगे बढ़े। उन्हें देखकर बदमाश भाग निकले। घायल सराफा व्यापारी का एक निजी अस्पताल में इलाज चल रहा है।

मिलन रेस्टोरेंट में लगी भीषण आग, दमकलों ने ढाई घंटे बाद पाया काबू, एक घंटे बाद पहुंची हाइड्रोलिक

सिटी चीफ भोपाल।
भोपाल। एमपी नगर स्थित मिलन रेस्टोरेंट के टावर और तीसरी मंजिल में शनिवार रात 10 बजे लगी भीषण आग को बुझाने के लिए फायरब्रिगेड मौके पर पहुंची। जहां एक घंटे तक दमकलों ने आग बुझाने का प्रयास किया, लेकिन देखते ही देखते आग बढ़ती चली गई। इसके एक घंटे के बाद हाइड्रोलिक प्लेटफार्म को लाया गया, जिसकी मदद से आग पर काफी काबू पा लिया गया। इस दौरान मौके पर बड़ी संख्या में लोगों की भीड़ जुटी रही। वहीं रेस्टोरेंट के मालिक और भवन में संचालित बेकरी, कार्यालयों के मालिक भी पहुंच गए थे।उनका कहना था कि यदि सबसे पहले हाइड्रोलिक को बुलाया गया होता तो आग को एक घंटे में ही काबू कर लिया होता। आग लगने से तीसरी मंजिल में रखा सामान, फर्नीचर आदि पूरी तरह से जलकर खाक हो गया। आग लगने की प्राथमिक वजह शाट सर्किट बताई जा रही है।

जानकारी के अनुसार मिलन रेस्टोरेंट के टावर और तीसरी मंजिल से रात 10 बजे लोगों ने धुआं निकलते हुए देखा तो उन्होंने पुलिस कंट्रोल रूम को सूचना दी। पुलिस की सूचना पर फायर दमकलें और एमपीनगर थाने का स्टाफ मौके पर पहुंच गया था। रेस्टोरेंट को खाली कराने और बिजली आपूर्ति बंद कराने के बाद दमकलों ने आग बुझाना शुरू किया। इस दौरान आग बढ़ती जा रही थी। माता मंदिर, छोला, गोविंदपुरा, फतेहगढ़ फायर स्टेशन से लगभग एक दर्जन दमकलें मौके पर पहुंची। जहां आग बुझाने का प्रयास जारी रहा। इसके बाद भी जब आग काबू में नहीं आ रही थी तो रात 11 बजे हाइड्रोलिक प्लेटफार्म को लाया गया। जिसकी मदद से फायरकर्मियों ने तीसरी मंजिल में लगी आग पर काफी हद तक काबू पा लिया था।इस दौरान पुलिस फायरब्रिगेड की मदद से आग साढ़े 12 बजे तक बुझ गई थी लेकिन टावर पर रखे जनरेटर में आग लगी हुई थी। जिसे रात एक बजे तक दमकलों ने बुझा दिया था।

डाटा मैच नहीं होने से छात्रवृत्ति के आवेदन में हो रही देरी

प्राचार्यों को सूचना पत्र जारी

सिटी चीफ भोपाल।
राजधानी सहित प्रदेश भर के सरकारी कॉलेजों के प्राचार्य को उच्च शिक्षा विभाग की ओर से विद्यार्थियों की छात्रवृत्ति के आवेदन में देरी होने का कारण राशि का भुगतान नहीं हो पाया है। विभाग ने कॉलेजों के प्राचार्यों को सूचना पत्र जारी कर स्पष्ट कर दिया है।

जारी सूचना में बताया है कि सत्र 2023-24 में एमपीटास पोर्टल एवं प्रवेश पोर्टल पर विद्यार्थियों का डाटा मैच नहीं होने से उनकी छात्रवृत्ति आवेदन में देरी हो रही है।

एमपीटास पोर्टल एवं प्रवेश पोर्टल पर विश्वविद्यालयों में संचालित पाठयक्रमों के कोर्स एवं ब्रांच कोड में भिन्नता होने से प्रवेशित विद्यार्थियों का वेबसर्विस के माध्यम से भेजा गया डाटा एमपीटास पोर्टल पर त्रुटिपूर्ण अपलोड हो गया है। इस कारण छात्रवृत्ति के आवेदन में विलंब की स्थिति बनी हुई है,इसलिए सत्र 2024-25 में विवि द्वारा प्रवेश प्रक्रिया शुरू करने के पहले प्रवेश पोर्टल एवं एमपीटास पोर्टल पर अंकित कोर्स एवं ब्रांच कोड की भिन्नता में सुधार कराने के निर्देश दिए गए हैं।जिससे पोर्टल पर विद्यार्थियों का त्रुटिरहित डाटा अपलोड हो सके।

सीधी भर्ती से आने वाले विशेषज्ञों को भी सरकारी अस्पतालों में तीन वर्ष तक करनी होगी इमरजेंसी ड्यूटी

सिटी चीफ भोपाल।
सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी), सिविल अस्पताल और जिला अस्पतालों में इमरजेंसी ड्यूटी को लेकर शासन ने कई बड़े बदलाव किए हैं। अब सीधी भर्ती से आने वाले विशेषज्ञों को भी कम से कम तीन वर्ष तक अनिवार्य रूप से आकस्मिक चिकित्सा (इमरजेंसी) में सेवा देनी होगी, ताकि वे अस्पताल की व्यवस्थाओं को अच्छी तरह से समझ सकें। इसके अतिरिक्त रोगियों की सुविधा के लिए लैब को शाम को ओपीडी समय में पांच से छह के बीच भी खोला जाएगा, ताकि मरीजों के सैंपल लिए जा सकें। एक्सरे और सोनोग्राफी की सुविधा भी शाम को खुली रहेगी। फिलहाल केवल इमरजेंसी वाले मरीजों का एक्सरे और सोनोग्राफी ही शाम को हो पा रही थीं। फिलहाल पैथोलॉजी का समय सुबह आठ से अपराह्न तीन बजे तक था, जबकि ओपीडी सुबह नौ से दोपहर दो बजे और शाम को पांच से छह बजे तक रहती है। ऐसे में कई रोगी बिना जांच लौट जाते थे। ऐसे में बदलावों के संबंध में स्वास्थ्य विभाग के प्रमुख सचिव विवेक पोरवाल ने शुक्रवार को आदेश जारी किए हैं।

दरअसल, सीधी भर्ती के अतिरिक्त चिकित्सा अधिकारियों की पदोन्नति के चलते एक वर्ष में एक हजार से अधिक विशेषज्ञ डाक्टरों ने ज्वाइन किया है। इस कारण इमरजेंसी ड्यूटी के लिए चिकित्सा अधिकारियों की संख्या कम हो गई है। ऐसे में जब विशेषज्ञ डाक्टरों की ड्यूटी इमरजेंसी में लगाई गई, तो पिछले साल जबलपुर सहित कुछ जिलों के विशेषज्ञों ने पुराने नियमों का हवाला देकर हाई कोर्ट में याचिका लग दी।

कोर्ट से स्थगन के बाद वह इमरजेंसी ड्यूटी से बच रहे थे, इस कारण सरकार ने नए नियम जारी किए हैं। नए नियमों में पहले तो अस्पताल के चिकित्सा अधिकारियों की ड्यूटी इमरजेंसी में लगाई जाएगी। इसके बाद आवश्यकता के अनुसार क्रमशः सीधी भर्ती के विशेषज्ञ, 50 वर्ष से कम आयु के विशेषज्ञ और इसके बाद भी जरूरत पूरी नहीं होती तो अन्य विशेषज्ञों की ड्यूटी लगाई जाएगी। डिस्पेंसरी के डाक्टरों की ड्यूटी भी रात की पाली में लगाई जा सकती है।

7 साल से खाली पड़ा महिला आयोग पीड़िताओं को नहीं मिल रहा न्याय

सिटी चीफ भोपाल।
मध्य प्रदेश में महिला अपराध के मामले लगातार बढ़ रहे हैं। पीड़ित महिलाओं को न्याय नहीं मिल पा रहा है। इसका कारण है कि राज्य महिला आयोग की बेंच सात साल से लगी ही नहीं है। दरअसल, आयोग में ना तो अध्यक्ष हैं और ना ही सदस्य। इस कारण प्रदेशभर की पीड़ित महिलाएं न्याय के लिए भटक रही हैं। राज्य महिला आयोग में करीब 24 हजार मामले लंबित हैं, जबकि नियमानुसार किसी भी शिकायत पर 15 दिन के अंदर कार्रवाई करनी होती है। आयोग में 2018 के बाद से बेंच ही नहीं लगी है, इस कारण पीड़ित महिलाओं के मामले बढ़ रहे हैं। आयोग में करीब 3500 महिलाएं हर साल महिला आयोग में शिकायत दर्ज करवाने पहुंचती हैं। बता दें कि 2018 में आयोग की अध्यक्ष लता वानखेड़े का कार्यकाल खत्म होने के बाद 2019 में प्रदेश में कांग्रेस की सरकार ने 18 मार्च 2020 को शोभा ओझा को आयोग का अध्यक्ष बनाया और सदस्यों की नियुक्ति भी की थी। किंतु उसके बाद फिर से भाजपा की सरकार आई और नियुक्तियों का मामला कोर्ट पहुंच गया। इस दौरान एक भी दिन बेंच नहीं लगी। इसके बाद से 2022 में भाजपा की सरकार बनने के बाद महिला आयोग में अध्यक्ष व सदस्यों की नियुक्ति नहीं हो पाई है। इस कारण हिंसा पीड़ित महिलाओं को न्याय नहीं मिल पा रहा है। आयोग में अध्यक्ष और सदस्यों की नियुक्ति को लेकर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव को पत्र भी लिखा है। महिला आयोग में प्रदेशभर से प्रतिदिन नौ से 10 महिलाएं शिकायत दर्ज करवा रही हैं, लेकिन सुनवाई नहीं होने के कारण महिलाएं निराश होकर लौट रही हैं। अब तो महिलाओं को वहां जाने पर महिला थाना या जिला विधिक सेवा प्राधिकरण में काउंसिलिंग के लिए भेजा जा रहा है।

मध्य प्रदेश में संस्थाओं को नहीं मिला दो साल का अनुदान, कलाकारों की बढ़ीं मुश्किलें

सिटी चीफ भोपाल।
मध्य प्रदेश में संस्कृति विभाग ने पिछले दो वित्तीय वर्षों के लिए अपने वार्षिक अनुदान की घोषणा नहीं की है। इससे कलाकारों के सामने मुश्किलें पैदा हो गई हैं। विभाग की ओर से राज्य में सामाजिक, सांस्कृतिक एवं साहित्यिक संगठनों को उनकी गतिविधियां संचालित करने के लिए वार्षिक अनुदान दिया जाता है।

अब तक वित्तीय वर्ष 2022-23 और 2023-24 के लिए अनुदान की घोषणा नहीं की गई है। इसने उन सैकड़ों समूहों को दिक्कत हो रही है, जो अपनी गतिविधियों के लिए अनुदान पर निर्भर हैं। इससे इन संस्थाओं के माध्यम से काम पाने वाले कलाकार भी प्रभावित हो रहे हैं। एक ओर यहां आचार संहिता के कारण समारोह नहीं हो रहे हैं, वहीं दूसरी ओर अनुदान नहीं मिलने से कलाकारों की हालत खराब है।

कलाकारों का कहना है कि विभाग देरी के लिए पहले विधानसभा और फिर लोकसभा चुनाव के लिए आदर्श आचार संहिता लागू होने को जिम्मेदार ठहरा रहा है। ऐसे में हम समझ नहीं पा रहे कि चुनाव और अनुदान आपस में कैसे जुड़े हुए हैं? एक प्रश्न यह भी है कि जब चुनाव की जानकारी सभी को थी, तो विभाग यह सुनिश्चित कर सकता था कि आचार संहिता लागू होने से पहले अनुदान दे दिया जाए।

द राइजिंग सोसाइटी आफ आर्ट एंड कल्चर की निदेशक प्रीति झा तिवारी का कहना है कि अनुदान स्वीकृत करने में देरी से काम पर असर पड़ता है। यह हमारे लिए सहायता है, जो समय पर मिलनी चाहिए। आचार संहिता के कारण पिछले साल नवंबर-दिसंबर और इस साल अप्रैल से जून तक सरकार द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित नहीं किए गए। इससे उन कलाकारों पर बुरा आर्थिक प्रभाव पड़ा है, जो जीविकोपार्जन के लिए अपने कलात्मक कौशल पर निर्भर हैं। कोशिश नाट्य संस्था की निदेशक सरोज शर्मा का कहना है कि अनुदान से हम कलाकारों को आर्थिक सहायता मिलती है और संबल बढ़ता है। ऐसे कई कलाकार हैं, जिनके पास आय का कोई अन्य स्त्रोत नहीं है। वे हमारी संस्था के लिए काम करते हैं। हम उन्हें भुगतान कहां से करें।

निरंतर थिएटर ग्रुप के नितिन तेजराज को आश्चर्य है कि जब अनुदान की सिफारिश करने के लिए नियुक्त समिति पहले ही अपना काम कर चुकी है, तो घोषणा को क्यों रोक दिया गया है। सागर गुंचा नटरंग सांस्कृतिक एवं कल्याण सोसायटी की बिशना चौहान का कहना है कि अनुदान साल में एक बार ही मिलता है। ऐसे में जो कलाकार पूरी तरह से कला पर निर्भर हैं, उन्हें समय पर सहायता नहीं मिलती है तो हताशा आती है। महंगाई के दौर में उनके लिए अपनी कला का प्रदर्शन करना मुश्किल हो जाता है।

इनका कहना है

वर्ष 2022-23 के लिए अनुदान स्वीकृत हो चुका है और कोषालय में मंजूरी के लिए लंबित है। पहले विधानसभा और फिर लोकसभा चुनाव के लिए आचार संहिता लागू होने से इसमें देरी हुई। उम्मीद है कि जून मध्य तक 2022-23 के अनुदान की घोषणा हो जाएगी। इसके बाद इसी साल वर्ष 2023-24 के अनुदान का भी निराकरण कर दिया जाएगा। इस बार से अनुदान को नियमित करने का प्रस्ताव सरकार को भेजा है और बैकलाग खत्म करने की कोशिश की जा रही है।

– एनपी नामदेव, संचालक, संस्कृति संचालनालय

सम्पादकीय

भीषण गर्मी में सात चरणों का लंबा चुनाव पूरा, अब नतीजों का इंतजार

भारत जैसे बड़े और विविधतापूर्ण देश में अगर चुनाव विश्वसनीय माने जाते रहे हैं तो इसका श्रेय चुनाव आयोग को ही जाता है। सहज और शांतिपूर्ण सत्ता हस्तांतरण के पीछे सबसे बड़ा फैक्टर है इस प्रक्रिया पर मतदाताओं का विश्वास।

आठ राज्यों की 57 सीटों पर आज होने वाली वोटिंग के साथ ही 18वीं लोकसभा के लिए चल रही 7 चरणों वाली लंबी मतदान प्रक्रिया संपन्न हो जाएगी। इस दौरान चुनाव आयोग को कई तरह की चुनौतियों से दो-चार होना पड़ा। इन अनुभवों से मिले सबक पर गौर करना इसलिए जरूरी है कि आगे के चुनावों की क्वॉलिटी बेहतर की जा सके।

ये चुनाव ऐसे समय कराए गए, जब देश का ज्यादातर हिस्सा भीषण गर्मियों की चपेट में रहता है। इस तथ्य को जितनी अहमियत मिलनी चाहिए थी, उतनी न देते हुए आयोग ने छह सप्ताह की अप्रत्याशित रूप से लंबी मतदान प्रक्रिया निर्धारित कर दी। इसके पीछे मकसद निश्चित रूप से मतदान प्रक्रिया को यथासंभव शांतिपूर्ण, निष्पक्ष और विश्वसनीय बनाए रखना था, लेकिन इस वजह से नेताओं, कार्यकर्ताओं और मतदाताओं में चुनावों को लेकर दिलचस्पी बनाए रखना मुश्किल होता गया। कम मतदान प्रतिशत के पीछे एक वजह यह भी मानी जा रही है। चूंकि ज्यादातर वोटरों को वोट देने के लिए बूथ तक जाना होता है और अनुभव बताता है कि यह हमेशा आसान नहीं होता, इसलिए इसका ध्यान रखने की जरूरत होती है कि जहां तक हो सके, वोटरों के घर से बूथ की दूरी ज्यादा न हो। लेकिन राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली की ही बात की जाए तो यहां की सातों संसदीय सीटों में बूथों की संख्या 2019 के मुकाबले कम रखी गई थी। वह भी तब, जबकि मतदाताओं की संख्या में 9 लाख का इजाफा हो चुका था। जाहिर है, ऐसे में खास तौर पर बुजुर्ग मतदाताओं के लिए वोट देने जाना थोड़ा और मुश्किल हुआ।

भारत जैसे बड़े और विविधतापूर्ण देश में अगर चुनाव विश्वसनीय माने जाते रहे हैं तो इसका श्रेय चुनाव आयोग को ही जाता है। सहज और शांतिपूर्ण सत्ता हस्तांतरण के पीछे सबसे बड़ा फैक्टर है इस प्रक्रिया पर मतदाताओं का विश्वास। इस विश्वास को मजबूती मिलती है आकंड़े समय पर जारी होते रहने से। ध्यान रखना चाहिए कि सूचनाओं का अभाव संदेह को जन्म देता है।

देखा जाए तो चुनाव आयोग के लिए सबसे मुश्किल होता है विभिन्न पार्टियों के नेताओं से चुनावी आचार संहिता का पालन कराना। अक्सर पार्टियों का नेतृत्व आयोग के नोटिसों को पर्याप्त महत्व नहीं देता। इन नोटिसों और दिशानिर्देशों को अदालतों में चुनौती भी दी जाती है। जो बात चुनाव आयोग के पक्ष में जाती है वह है यह परसेप्शन कि आयोग अपने सख्त रुख पर अडिग रहा और पक्ष-विपक्ष की चिंता किए बगैर आचार संहिता के उल्लंघनों पर त्वरित प्रतिक्रियाएं देता रहा। आयोग को भविष्य में भी इस परसेप्शन का ध्यान रखना चाहिए क्योंकि उसके निष्पक्ष रहने जितना ही जरूरी है उसका निष्पक्ष दिखना।

अर्थव्यवस्था की मजबूती के संकेत, नए निजाम में स्थिरता से रफ्तार में बढोतरी की उम्मीद

इन दिनों प्रकाशित हो रही राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय रिपोर्टों और विभिन्न बाजार विश्लेषणों में कहा जा रहा है कि भारत की अर्थव्यवस्था के तेजी से आगे बढ़ने के जो शुभ संकेत उभरकर दिखाई दे रहे हैं, उन्हें चार जून के बाद नई स्थिर सरकार से आर्थिक पंख लग जाएंगे। ऐसे मजबूत आर्थिक परिदृश्य की संभावनाओं के तीन महत्वपूर्ण कारण गिनाए जा रहे हैं। एक भारत के वित्तीय और गैर वित्तीय क्षेत्रों के दमदार बही-खाते। दो रिजर्व बैंक के द्वारा भारत सरकार को दिया गया रिकॉर्ड लाभांश और तीन शेयर बाजार की रिकॉर्ड ऊंचाई।

अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने कहा है कि वर्ष 2024-25 में भारत की विकास दर 6.8 प्रतिशत रहेगी। विश्व बैंक ने 6.6 प्रतिशत विकास दर रहने का अनुमान व्यक्त किया है। एशियाई विकास आउटलुक रिपोर्ट के अनुसार, विकास दर 7 प्रतिशत रह सकती है। देश के प्रमुख अर्थ विशेषज्ञों का मत है कि जहां पिछले वित्त वर्ष 2023-24 में विकास दर सात प्रतिशत से अधिक है, वहीं यह आगामी दशक तक 6.5 से सात प्रतिशत के स्तर पर दिखाई देगी। विभिन्न रिपोर्टों के अनुसार, भारत में वर्ष 2023-24 में प्रत्यक्ष कर संग्रह 17.7 फीसदी बढ़कर 19.58 लाख करोड़ रुपये हो गया है। 2023-24 में जीएसटी उच्चतम स्तर पर रहा है। इसका आकार 20.18 लाख करोड़ रुपये रहा है, जो पिछले वर्ष की तुलना में 11.7 फीसदी अधिक है। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने 22 मई को वित्त वर्ष 2023-24 में भारत सरकार को 2.11 लाख करोड़ रुपये लाभांश देने की मंजूरी दी है। चालू वित्त वर्ष 2024-25 के अंतरिम बजट में सरकार ने रिजर्व बैंक और सरकारी बैंकों के लाभांश से 1.02 लाख करोड़ रुपये मिलने का अनुमान लगाया था। ऐसे में 'रिजर्व बैंक द्वारा दिया जाने वाला लाभांश बजट अनुमान की तुलना में 107 फीसदी ज्यादा है। यह एक तरह से सरकार के लिए मौजूदा वित्त वर्ष में 1.09 लाख करोड़ रुपये के अप्रत्याशित लाभ जैसा है। साथ ही पिछले साल के 87,416 करोड़ रुपये लाभांश की तुलना में 142 फीसदी ज्यादा है। उल्लेखनीय है कि बिमल जालान समिति की सिफारिश के अनुसार, ?नया आर्थिक पूंजी ढांचा लागू होने के बाद 2018-19 में केंद्रीय बैंक ने सरकार को 1.76 लाख करोड़ रुपये अधिशेष दिया था। जालान समिति ने यह पता लगाया कि रिजर्व बैंक से सरकार को कितना अधिशेष मिलना चाहिए। वित्त वर्ष 2023-24 में आरबीआई ने आकस्मिक जोखिम बफर बढ़ाकर 6.5 फीसदी कर दिया है। जालान समिति ने इसे आरबीआई की बैलेंस शीट के 5.5 से 6.5 फीसदी के दायरे में रखने का प्रस्ताव दिया था। रिजर्व बैंक द्वारा सरकार को रिकॉर्ड लाभांश दिए जाने के निर्णय और वैश्विक आर्थिक संगठनों व वैश्विक क्रेडिट रेटिंग एजेंसियों?द्वारा वर्ष 2024-25 में भारत की ऊंची विकास दर के अनुमानों के बाद भारतीय शेयर बाजार रिकॉर्ड उच्च स्तर पर पहुंच गया है। यह कोई छोटी बात नहीं है कि बीएसई में सूचीबद्ध कंपनियों का कुल बाजार पूंजीकरण पांच लाख करोड़ डॉलर के पार पहुंचने के साथ ही भारत इस मुकाम तक पहुंचने वाला दुनिया का पांचवां सबसे बड़ा देश बन गया है। कोरोना काल के बाद भारतीय घरेलू खुदरा निवेशकों की रुचि शेयर बाजार में बढ़ी है।

पिछले 10 साल में डीमेट अकाउंट 2.3 करोड़ से बढ़कर 15 करोड़ हो गए हैं और म्यूचुअल फंड-निवेशकों की संख्या एक करोड़ से बढ़कर 4.5 करोड़ हो गई है। स्थिति यह है कि पिछले 10 साल में शेयर बाजार कहां से कहां पहुंच गया है, जो सेंसेक्स 25,000 अंकों पर था, वह अब आज 75,000 अंक से अधिक की ऊंचाई पर पहुंच गया है। लाखों छोटे निवेशक आज उत्साहपूर्वक बाजार से जुड़े हैं। भारत दुनिया का चौथा सबसे बड़ा शेयर बाजार है और वैश्विक निवेशकों का भरोसा भी भारत के शेयर बाजार पर बढ़ा है। अब ऐसी आर्थिक मजबूती से देश में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) में वृद्धि होगी। इससे भारत में कारोबारी माहौल में सुधार होगा। एफडीआई का एक महत्वपूर्ण पहलू यह भी है कि विदेशी निवेशक तकनीकी विशेषज्ञता भी लाते हैं। निश्चित रूप से शेयर बाजार के तेजी से बढ़ने और रिजर्व बैंक द्वारा सरकार को 2.11 लाख करोड़ रुपये का बंपर लाभांश दिए जाने से नई सरकार को व्यय प्रबंधन में खासी मदद मिलेगी।

कब सुधरेंगी हमारी गलतियां, गणतंत्र के भविष्य के लिए जरूरी है इनका ठीक होना

इस बार का चुनाव बहुत ही कठिन रहा और पूरी प्रक्रिया बहुत लंबी। इसके परिणाम कुछ ही दिनों में आ जाएंगे। जो भी पार्टी या गठबंधन अगली सरकार बनाएगा, उसे उन गंभीर चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा, जिन्हें चुनाव अभियान ने पीछे धकेल दिया है। भारत के सामने आज गलतियों की एक लंबी लिस्ट है, जिसे अच्छी तरह सुधारा नहीं गया तो एक गणतंत्र के रूप में हमारा भविष्य कमजोर हो सकता है।

पहली गलती पार्टी प्रणाली का भ्रष्टाचार है। ऐसा माना जाता है कि राजनीतिक दलों में आंतरिक लोकतंत्र होता है, जिसमें नेता स्वतंत्र रूप से चुने जाते हैं और वे अपनी पार्टी के सहयोगियों के प्रति जवाबदेह होते हैं। भारतीय राजनीति आज इस मॉडल से बिल्कुल अलग है। यहां राजनीतिक पार्टियां या तो व्यक्तित्व के साये तले हैं या एक पारिवारिक फर्म बन गई हैं। व्यक्तित्व के साये तले वाली बात का ज्वलंत उदाहरण भारतीय जनता पार्टी है। पिछले एक दशक में पूरी पार्टी और सरकारी तंत्र का बड़ा हिस्सा नरेंद्र मोदी को दिव्य व्यक्तित्व वाला बनाने में जुटा रहा है। हालांकि भौगोलिक तौर पर अपने सीमित क्षेत्रों में पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी, केरल में पिनाराई विजयन, दिल्ली में अरविंद केजरीवाल, आंध्र प्रदेश में जगन मोहन रेड्डी और ओडिशा में नवीन पटनायक जैसे मुख्यमंत्री भी इसी तरह से काम कर रहे हैं। कुछ इस तरह कि मानो वे ही शासन करते रहेंगे। लोकतांत्रिक संस्थाओं का दिखावा करने वाली पारिवारिक पार्टियां भी इसके लिए कम जिम्मेदार नहीं हैं। इसमें कोई दो राय नहीं कि कांग्रेस इसके लिए मुख्य रूप से दोषी है। उसने पार्टी के लिए दशकों तक काम करने वालों को नजरअंदाज कर प्रियंका गांधी को रातों-रात महासचिव बना दिया।

गांधी परिवार से पीछे न रह जाएं, इस वजह से कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने गुलबर्गा की अपनी पुरानी सीट अपने दामाद को दे दी, जबकि उनका एक बेटा पहले से ही कर्नाटक में कैबिनेट मंत्री है। इसी तरह राष्ट्रीय जनता दल बिहार में, सपा उत्तर प्रदेश में और डीएमके तमिलनाडु में ऐसी पार्टियां हैं, जो एक ही परिवार के नियंत्रण में रही हैं। यह सोचने पर मजबूर करता है कि जिस ब्रिटेन की राजनीतिक प्रणाली को हमने अपनाया, उससे हम कितने अलग हैं।

प्रधानमंत्री ऋषि सुनक के सामने कोई धर्म-पंथ नहीं है। मुख्य विपक्षी लेबर पार्टी के नेता केर स्टार्मर किसी राजनीतिक परिवार से नहीं आते हैं। वे दोनों आज जिस मुकाम पर हैं, वहां अपनी मेहनत और पार्टी के सहयोगियों के समर्थन से हैं। जब भी वे समर्थकों का विश्वास खो देंगे, बिना किसी हंगामे के अपना पद छोड़ देंगे और उनकी जगह पर ऐसे व्यक्ति को चुना जाएगा, जो किसी राजनीतिक वंशावली से नहीं होगा।

भारतीय लोकतंत्र की विश्वसनीयता इस बात से भी और कम हुई है कि नागरिकों को बिना मुकदमे के जेल में डाला जा सकता है और वर्षों तक जेल में रखा जा सकता है। कानूनों का उपयोग राजनीतिक विरोधियों ही नहीं, बल्कि किसी भी तरह की असहमति जताने वालों को डराने और चुप कराने के लिए किया जाता है। इस तरह के दुरुपयोग में अदालतें भी शामिल हैं। संक्षेप में यही कहा जा सकता है कि हमारी राजनीतिक कमियां दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र होने के दावों के आडंबरों के पीछे छिपी हैं। दूसरा दावा विश्व की सबसे तेज गति से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था का है। हालांकि आर्थिक उदारीकरण की वजह से गरीबी में तो कमी आई है, लेकिन इससे असमानता भी बड़े पैमाने पर बढ़ी है। रोजगार में बढ़ोतरी नहीं हुई है। शिक्षित वर्गों में सबसे ज्यादा बेरोजगारी है और श्रमबल में महिलाओं की भागीदारी बहुत कम है। भारत की अर्थव्यवस्था मिश्रित है और इसके पर्यावरणीय रिकॉर्ड विनाशकारी रहे हैं। आर्थिक तौर पर भारत के सबसे 'समृद्ध शहर' बेंगलुरु में जल संकट और भारत के 'वैश्विक उत्थान' वाले शहर नई दिल्ली में वायु प्रदूषण की उच्च दर इस बात का प्रतीक है कि हमने संसाधनों का कितना दुरुपयोग किया है। जैसा कि मैंने पहले लिखा है, हमारे लिए एक बड़ा मुद्दा पर्यावरण संकट है। जहरीली हवा, गिरता जल स्तर, दूषित मिट्टी और विलुप्त होती जैव विविधता की वजह से करोड़ों भारतीयों की आजीविका और सेहत खतरे में पड़ गई है और ये भविष्य के बारे में गंभीर सवाल उठा रहे हैं कि क्या हमारे औद्योगिक और आर्थिक संसाधन टिकाऊ हैं?

कई दशकों तक सत्ता में रही कांग्रेस पार्टी की जिम्मेदारी इसमें सबसे अधिक बनती है। उसका कहना है कि 2014 में जब नरेंद्र मोदी ने सत्ता संभाली, उसके बाद से स्थिति और खराब होती गई। हम जिसे सांप्रदायिक समस्या कहते हैं, वह भी कोई नई नहीं है। पाकिस्तान बनने के बाद जो मुसलमान भारत में रह गए, उन्हें पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने यह कहते हुए आश्वस्त किया था कि पाकिस्तान में जो भी अधिकार दिए गए हैं, वही समान नागरिक अधिकार यहां भी दिए जाएंगे। लेकिन उन्हें अक्सर संदेह की दृष्टि से देखा गया। धर्मों के बीच की यह खाई राजीव गांधी के शासनकाल में बढ़ती गई, क्योंकि उन्होंने हिंदू और मुस्लिम, दोनों के बीच कट्टरता को बढ़ावा दिया।

2014 के बाद से भारत के सबसे बड़े अल्पसंख्यक समुदाय में असुरक्षा की भावना कई गुना बढ़ गई, क्योंकि स्वतंत्र राष्ट्र के इतिहास में पहली बार केंद्र में सत्तारूढ़ दल ने अपनी हिंदू बहुसंख्यकवादी महत्वाकांक्षा को स्पष्ट कर दिया था। राजनीतिक और सार्वजनिक जीवन में धर्म का बोलबाला बढ़ गया, जब प्रधानमंत्री ने खुद को ईश्वर द्वारा धरती पर भेजे गए उस हिंदू राजा की तरह दिखाया, जो हिंदुओं की सभी परेशानियों को दूर कर देगा। इसके परिणामस्वरूप भारतीय मुसलमानों ने खुद को इतना डरा हुआ कभी महसूस नहीं किया, जितना अब कर रहे हैं। ये भविष्य के लिए क्या संकेत दे रहे हैं, कहना मुश्किल है।

एक अंतिम समस्या, जो मैं उठाना चाहता हूं, वह है राज्य और केंद्र सरकार के बीच संबंध। भाजपा समर्थक 1959 में जवाहरलाल नेहरू द्वारा केरल की वामपंथी सरकार को बर्खास्त करने और इंदिरा गांधी के बार-बार अनुच्छेद 356 का उपयोग करने पर चर्चा तो करना पसंद करते हैं, लेकिन दूसरे दलों के शासन वाले राज्यों के प्रति उनका रवैया अच्छा नहीं रहा है। नरेंद्र मोदी और अमित शाह के शासनकाल में उन राज्यों की ओर कम ध्यान दिया गया, जहां भाजपा का शासन नहीं है। चुने हुए मुख्यमंत्रियों का मजाक उड़ाया गया। जान-बूझकर ऐसे राज्यपालों को नियुक्त किया गया है, जिन्होंने द्वेष की भावना से ग्रस्त होकर हर मोड़ पर राज्य सरकार के काम में बाधा पहुंचाई है। यहां तक कि गणतंत्र दिवस परेड जैसे महत्वपूर्ण आयोजनों से अन्य दलों द्वारा शासित राज्यों की झांकियों को हटाकर यह स्पष्ट कर दिया कि वे तब तक चैन से नहीं बैठेंगे, जब तक कि भारत के प्रत्येक राज्य में भाजपा का शासन नहीं हो जाता। उनके इस व्यवहार से अधिनायकवाद और निरंकुशता की बू आती है।

हमने अभी देखा है कि आम चुनाव में करोड़ों भारतीयों ने अपने मताधिकार का उपयोग किया। इसलिए यह कहना सही है कि ये वोट गैर प्रतिनिधित्व वाली पार्टी, समझौता किए गए संस्थानों, अलोकतांत्रिक कानून, गिरती अर्थव्यवस्था, असुरक्षित अल्पसंख्यक और संघीय ढांचे के बढ़ते तनाव के संदर्भ में दिए गए थे। आने वाले समय में जो भी सरकार सत्ता में आएगी, उसके लिए सबसे पहला काम इन सभी गलतियों को सुधारना होगा।

संकट: मानवीय आपदाओं में समय पर मिले राहत, अन्यथा बेकाबू हो जाएंगे हालात

विश्व के लगभग 25 देशों में मानवीय आपदाएं या संकट विकट रूप ले रहे हैं। इनमें सूडान, इथियोपिया, एरिटेरिया, नाइजीरिया, अंगोला, सोमालिया, डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो, यमन, सीरिया, अफगानिस्तान, म्यांमार व हैती आदि देशों के लगभग 30 करोड़ लोग शामिल हैं। यह मानवीय संकट कितनी तेजी से बहुत गंभीर हो सकता है, इसका एक उदाहरण सूडान है। लोकतंत्र की स्थापना का इंतजार कर रहे इस देश में दो सैन्य जनरलों ने आपस में ही लड़ने की ठान ली और देश को एक नए गृहयुद्ध में धकेल दिया। यहां लगभग 80 लाख लोग विस्थापित हो चुके हैं। गाजा एक दूसरा उदाहरण है, जहां बहुत तेजी से मानवीय त्रासदी ने गंभीर रूप ले लिया है।

संयुक्त राष्ट्र के आंकड़ों के अनुसार, वर्ष 2024 में लगभग 30 करोड़ लोग ऐसी मानवीय आपदाओं में फंसे हैं, जिन्हें बाहरी सहायता की बहुत आवश्यकता है। पिछले वर्ष यह संख्या इससे कुछ कम थी, तो संयुक्त राष्ट्र के ऑफिस फॉर कोऑर्डिनेशन ऑफ ह्यूमैनिटेरियन एसिस्टेंस ने इसके लिए 57 अरब डॉलर की आवश्यकता का अनुमान लगाया था, लेकिन यह राशि एकत्र करने के तमाम प्रयासों के बावजूद सिर्फ 20 अरब डॉलर ही एकत्र की जा सकी। दूसरे शब्दों में, जितनी जरूरत थी, उससे एक तिहाई धनराशि ही मानवीय आपदाओं में सहायता प्रदान करने के लिए एकत्र की जा सकी।

वर्ष 2023 में विश्व का सैन्य बजट 2,400 अरब डॉलर था। अर्थात, मानवीय आपदाओं में जरूरी राहत के लिए जो राशि एकत्र हो सकी, वह विश्व के सैन्य बजट का केवल 0.8 प्रतिशत थी। मानवीय आपदाओं में सहायता के लिए धनराशि के अभाव के कारण भूख व अन्य जरूरतों से बुरी तरह त्रस्त परिवारों के लिए खाद्य व अन्य राहत सामग्री नहीं पहुंच सकीं व जिन समुदायों तक यह सहायता पहले पहुंच रही थी, उसे भी कई बार अचानक रोकना पड़ा। इस स्थिति को देखते हुए वर्ष 2024 के लिए सहायता राशि एकत्र करने के लक्ष्य को 57 अरब डॉलर से घटा कर 46 अरब डॉलर कर दिया गया। इस समय तक यह अनिश्चय की स्थिति है कि यह धनराशि किस हद तक जुटाई जा सकेगी। वर्ष 2023 में विश्व खाद्य कार्यक्रम के पूर्व कार्यकारी अध्यक्ष डेविड बीजली ने कहा कि कोविड के जिस दौर में अरबपतियों की धनराशि में प्रतिदिन अरबों डॉलर की वृद्धि हो रही थी, उसी दौर में प्रतिदिन भूख से 24,000 व्यक्तियों की मृत्यु भी हो रही थी।

विश्व खाद्य कार्यक्रम को भी खाद्य सहायता कार्यक्रमों के लिए जरूरी संसाधनों की कमी पड़ रही है।?मानवीय आपदाओं के लिए बेहतर धनराशि जुटाने के साथ ही? यह भी?ध्यान देने की जरूरत है कि?इन मानवीय आपदाओं को किस तरह कम किया जाए। इनके बारे में उपलब्ध ज्यादातर दस्तावेजों में प्राय: दो कारण सबसे अधिक महत्वपूर्ण बताए गए हैं। पहला कारण है युद्ध, गृहयुद्ध व अन्य व्यापक स्तर की हिंसा। दूसरा जलवायु बदलाव के दौर में मौसम का अधिक प्रतिकूल होना व प्राकृतिक आपदाओं का विकट होना, लेकिन इसके अतिरिक्त एक तीसरे कारण पर भी ध्यान देना जरूरी है और वह है तरह-तरह के अन्याय और विषमता।

इनमें से अनेक देशों में औपनिवेशिक समय में जो घोर अन्याय और अत्याचार हुए, उससे यहां का परंपरागत ढांचा बुरी तरह ढह गया और जब उसके बाद भी अन्याय जारी रहे, तो स्थितियां और विकट हो गईं। यहां की प्राकृतिक संपदा का दोहन बहुत किया गया, पर उसके लिए उचित कीमत भी नहीं दी गई। यहां के लोगों को जातीय, नस्लीय आदि स्तरों पर एक-दूसरे के विरुद्ध भड़काया गया, तानाशाहों को बाहरी सहायता मिली, जबकि जनप्रिय नेताओं के लिए अवरोध खड़े किए गए। इसका सबसे बड़ा उदाहरण है कांगो, जहां के जननेता लुमुम्बा की हत्या कर दी गई, वहां अत्याचारी तानाशाह मोबुतु को भरपूर बाहरी समर्थन मिलता रहा। इन विकट स्थितियों में अमन-शांति, न्याय व पर्यावरण रक्षा के प्रयास बहुत मजबूत होने पर ही ऐसी मानवीय त्रासदियों की संभावना को कम किया जा सकेगा। इसके साथ राहत सामग्री व इसके लिए जरूरी धनराशि को बढ़ाना भी बहुत जरूरी है। राहत सामग्री जरूरतमंद लोगों तक भली-भांति पहुंच सके, इसके लिए अमन-शांति व सुलह-समझौते के प्रयास भी अत्यावश्यक हैं।

अरनमनई 4 के बाद पर्दे पर फिर नजर आएंगी राशि, इस अवॉर्ड विजेता अभिनेता के साथ दिखेगी जुगलबंदी

राशि खन्ना तेलुगु फिल्मों की जानी मानी अदाकारा हैं। हाल में ही वह फिल्म योद्धा में सिद्धार्थ मल्होत्रा के साथ नजर आई थीं। वह मुख्यत तेलुगु फिल्मों में नजर आती हैं। हालांकि, उन्होंने तेलुगु के अलावा भी कई अन्य भाषाओं की फिल्मों में काम किया है। इस साल उन्हें अब तक कोई बड़ा प्रोजेक्ट नहीं मिला था, लेकिन अब जल्द ही वह एक और हिंदी फिल्म में नजर आएंगी।

अरनमनई 4 में आई थीं नजर राशि हाल में ही योद्धा के अलावा तमिल फिल्म अरनमनई 4 में भी नजर आई थीं। इस फिल्म में उनके साथ अभिनेत्री तमन्ना भाटिया भी नजर आई थीं। फिल्म ने तमिल और तेलुगु बॉक्स ऑफिस पर काफी बेहतर प्रदर्शन किया था। हाल में ही फिल्म को हिंदी में भी रिलीज किया गया है। अरनमनई 4 से उनके तमिल फिल्मी करियर में एक नई उछाल आई है। अब अभिनेत्री जल्द ही अपने हिंदी फैंस को सरप्राइज देने वाली हैं। वह जल्द ही अपनी आगामी फिल्म द साबरमती रिपोर्ट में नजर आएंगी।

दिखेगी राशि और विक्रांत की जुगलबंदी अभिनेत्री के इस फिल्म को लेकर खबरें लगातार सुर्खियां बटोर रही हैं। राशि इस फिल्म में अवॉर्ड विजेता अभिनेता विक्रांत मैसी के साथ नजर आएंगी। विक्रांत पिछली बार फिल्म 12वीं फेल में नजर आए थे। फिल्म को काफी चर्चा मिली थी। राशि और विक्रांत को एक साथ देखने के लिए उनके फैंस काफी उत्साहित है। राशि इस फिल्म में मुख्य भूमिका में नजर आएंगी, जो 2002 के गोधरा ट्रेन आगजनी पर आधारित है।

अब अगस्त में रिलीज होगी साबरमती रिपोर्ट फिल्म का नाम द साबरमती रिपोर्ट रखा गया है और इसका निर्देशन रंजन चंदेल कर रहे हैं। फिल्म की शूटिंग भी पूरी हो चुकी है। फिल्म की रिलीज डेट इस साल मई में रखी गई थी, लेकिन बाद में इसके रिलीज डेट में बदलाव किया गया था। मेकर्स ने बाद में जानकारी दी थी कि फिल्म इस साल ही अगस्त के महीने में रिलीज होगी। कुछ महीने पहले ही फिल्म टीजर जारी किया गया था। जिसमें उस भयावह मंजर की छोटी सी झलक दिखाई गई थी।

भाई की याद में केदारनाथ धाम पहुंचीं सुशांत की बहन, चौथी पुण्यतिथि से पहले किया दर्शन

सुशांत सिंह राजपूत ने 14 जून, 2020 को दुनिया को हमेशा के लिए अलविदा कह दिया। प्रिय भारतीय अभिनेता के निधन को तीन वर्ष से ज्यादा का समय हो गया है। अभिनेता के निधन की खबर कई लोगों के लिए सदमे की तरह आई। प्रशंसकों के साथ बातचीत और इंटरव्यू के दौरान सुशांत हमेशा एक खुशमिजाज, विनम्र और दयालु व्यक्ति प्रतीत होते थे। अब हाल ही में, सुशांत की बहन श्वेता सिंह कीर्ति ने अभिनेता के लिए एक खास नोट लिखा है। श्वेता सिंह कीर्ति ने अपने दिवंगत भाई से गहरा जुड़ाव महसूस करने के लिए केदारनाथ का दौरा किया। उन्होंने सुशांत और अपनी तस्वीरें भी शेयर कीं। पोस्ट पर कैप्शन में लिखा है, यह 1 जून है और चार साल पहले इसी महीने की 14 तारीख को हमने अपने सबसे प्यारे सुशांत को खो दिया था। आज भी हम इस बात का जवाब खोज रहे हैं कि उस दिन क्या हुआ था। श्वेता ने आगे बताया कि केदारनाथ में उतरते ही वह भावुक हो गईं और उनकी उपस्थिति महसूस की। उन्होंने लिखा मैं केदारनाथ प्रार्थना करने, याद करने और भाई के करीब महसूस करने आई थी। वह दिन भावनात्मक था। जैसे ही मैं केदारनाथ में उतरी, मेरी आंखों से आंसू बहने लगे। मैं थोड़ी देर तक चली, लेकिन आखिरकार मुझे बैठना पड़ा और अपने चारों ओर उनकी उपस्थिति महसूस करते हुए दिल खोलकर रोना पड़ा। उन्होंने आगे बताया कि मुझे उन्हें गले लगाने की तीव्र इच्छा हुई। मैं वहीं बैठ गई और ध्यान करने लगी जहां उन्होंने ध्यान किया था, और उन क्षणों में, मुझे लगा कि वह अभी भी मेरे साथ हैं, मेरे भीतर हैं, मेरे माध्यम से जी रहे हैं। ऐसा लगा जैसे उन्होंने कभी मुझे छोड़ा ही नहीं था। श्वेता सिंह ने बताया कि जब वह अपना फोन चेक कर रही थीं, तो उन्हें केदारनाथ में एक साधु के साथ उनके भाई की तस्वीर मिली। उन्होंने साधु से मुलाकात की अपनी तस्वीर भी साझा की है।

इंडियन 2 के डायरेक्टर का चौंकाने वाला एलान, फिल्म में नहीं दिखेंगी काजल अग्रवाल, फैंस हुए मायूस

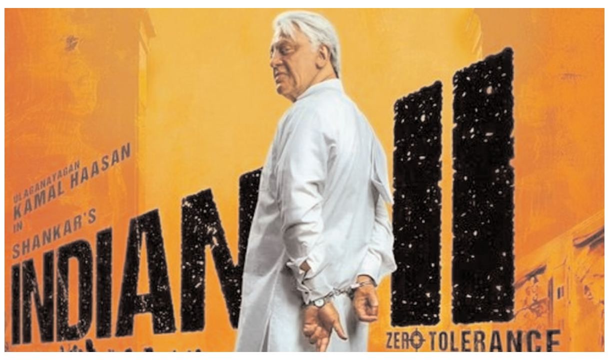

सुपरस्टार कमल हासन की फिल्म इंडियन 2 जल्द ही रिलीज होने वाली है। कई अटकलों के बाद आखिरकार बीते दिनों रिलीज की तारीख से पर्दा उठा था। पहले इसे जून में रिलीज करने की योजना थी, लेकिन अब इसे 12 जुलाई, 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज किया जाएगा। हाल ही में, फिल्म का ऑडियो लॉन्च कार्यक्रम हुआ, जिसमें एक बहुत बड़ा अपडेट सामने आया है। इंडियन 2 में नहीं दिखेंगी काजल अग्रवालचेन्नई में आयोजित हुए ऑडियो लॉन्च कार्यक्रम में इंडियन 2 फिल्म से जुड़े तमाम लोग शामिल हुए थे। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस मौके पर फिल्म का निर्देशन करने वाले शंकर शनमुगम ने अपनी घोषणा से सभी को चौंका दिया। इंडियन 2 पर नजर बनाए हुए लोग जानते होंगे कि इस फिल्म में अभिनेत्री काजल अग्रवाल भी अभिनय कर रही हैं, लेकिन शंकर ने अपने एलान में कुछ और ही खुलासा कर दिया। उन्होंने बताया कि काजल अग्रवाल इंडियन 2 में नजर नहीं आएंगी, बल्कि इंडियन 3 में दिखाई देंगी।

काजल के फैंस हुए निराश काजल के फिल्म में न होने की खबर से उनके फैंस मायूस है। उनके प्रशंसक उन्हें कमल हासन के साथ बड़े परदे पर देखने के लिए उतावले थे, लेकिन डायरेक्टर से मिले अपडेट के बाद उनकी उम्मीदों पर पानी फिर गया है। अब काजल के सभी फैंस को फिल्म के तीसरे भाग का इंतजार करना होगा।

ये कलाकार आएंगे नजर इंडियन 2 में अब कमल हासन के अलावा रकुल प्रीत सिंह, बॉबी सिम्हा, प्रिया भवानी शंकर, समुथिरकानी और सिद्धार्थ अभिनय करते नजर आएंगे। फिल्म को तमिल, तेलुगु और हिंदी भाषा में रिलीज किया जाएगा। फिल्म का पहला भाग साल 1996 में रिलीज हुआ था, उसे भी शंकर शनमुगम ने ही डायरेक्ट किया था।

धीमी हुई मिस्टर एंड मिसेज माही की रफ्तार, औंधे मुंह गिरी सावि, जानें अन्य का हाल

इन दिनों सिनेमाघरों में फिल्मों की बहार आई हुई है। इस शुक्रवार को कई फिल्में दर्शकों का मनोरंजन करने के लिए रिलीज हुई हैं, मिस्टर एंड मिसेज माही, छोटा भीम एंड द कर्स ऑफ दमयान और दिव्या खोसला की सावी शामिल है। इन फिल्मों के आते ही राजकुमार राव की श्रीकांत और मनोज बाजपेयी की भैया जी सिनेमाघरों को अलविदा कहने की तैयारी कर रहे हैं। तो आइए जानते हैं कि शनिवार को किस फिल्म का कैसा प्रदर्शन रहा है... लगातार फ्लॉप फिल्मों की मार झेलते रहे अभिनेता राजकुमार राव के अछे दिन आने वाले दिख रहे हैं। उनकी फिल्म मिस्टर एंड मिसेज माही ने अछी ओपनिंग के साथ अभिनेता के करियर का एक रिकॉर्ड भी दर्ज कर दिया है। इस फिल्म में राजकुमार जान्हवी कपूर के साथ नजर आ रहे हैं। 40 करोड़ के बजट में बनी इस फिल्म का निर्देशन शरण शर्मा ने किया है, फिल्म ने दूसरे दिन 3.21 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया है, इस तरह फिल्म ने अब तक कुल 9.96 लाख रुपये की कमाई कर ली है। इस बार सिनेमाघर ने बचों का भी खास ख्याल रखा है और उनके लिए फिल्म छोटा भीम एंड द कर्स ऑफ दमयान रिलीज किया है। राजीव चिलका के निर्देशन में बनी यह फिल्म बचों को काफी पसंद आ रही है। हालांकि, फिल्म की कमाई इस बात की गवाही नहीं दे रही है। फिल्म ने दूसरे दिन महज 52 लाख रुपये की कमाई की है, इस तरह फिल्म की कुल कमाई 1.17 करोड़ रुपये हो गई है। फिल्म 'सावि' एक पत्नी के अपने पति को जेल की ऊंची ऊंची दीवारों से मुक्त कराने की मुहिम के साथ शुरू होती है और उसे अस्पताल से भगाने की कोशिशों के साथ औंधे मुंह आकर गिरती है। फिल्म की ओपनिंग काफी निराशाजनक रही है। दिव्या खोसला की फिल्म सावि ने दूसरे दिन महज 18 लाख रुपये की कमाई की है, इस तरह फिल्म ने अब तक 78 लाख रुपये की कमाई कर ली है। 40 करोड़ रुपये के बजट में बनी फिल्म श्रीकांत 10 मई को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। यह फिल्म श्रीकांत बोला की बायोपिक है, फिल्म ने 23वें दिन 56 लाख रुपये की कमाई की है, इस तरह फिल्म ने अब तक कुल 42.36 करोड़ रुपये का कलेक्शन कर लिया है।

काजल अग्रवाल ने गिनाईं साउथ फिल्म इंडस्ट्री की कमियां, बॉलीवुड की सराहना कर बढ़ाई हलचल

अभिनेत्री काजल अग्रवाल किसी पहचान की मुहताज नहीं हैं। काजल को बॉलीवुड, तमिल और तेलुगु फिल्मों में काम कर अपने अभिनय का लोहा मनवाते देखा जा चुका है। वहीं, अब अभिनेत्री अपने हालिया बयान की वजह से सुर्खियों में आ गई हैं। काजल ने स्वीकार किया है कि हिंदी फिल्म इंडस्ट्री की तुलना में साउथ में चीजें काफी अलग हैं। उनका कहना है कि महिला कलाकार अब भी साउथ फिल्म इंडस्ट्री में उस प्रणाली को बदलने के लिए कड़ी मेहनत कर रही हैं, जिसके तहत शादी करने या मां बनने के बाद उन्हें मजबूत भूमिकाएं नहीं मिल पा रही हैं। गलाट्टा प्लस के साथ एक इंटरव्यू में काजल ने स्वीकार किया कि साउथ फिल्म इंडस्ट्री और हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में काफी अंतर है। अभिनेत्री को बताया गया कि कैसे हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में शादी के बाद भी दीपिका पादुकोण को फाइटर में एक दमदार किरदार और आलिया भट्ट को रॉकी और रानी की प्रेम कहानी में एक रोमांटिक भूमिका की पेशकश की गई, जो कि साउथ फिल्म इंडस्ट्री में बेहद कम ही देखने को मिलता है। जानकारी हो कि काजल अपनी नवीनतम फिल्म सत्यभामा में एक पुलिस ऑफिसर का किरदार निभा रही हैं। वहीं, इस सवाल पर अभिनेत्री का कहना है, हमारे बीच अभी भी थोड़ी-बहुत रूढ़िवादिता जुड़ी हुई है। मैं उम्मीद कर रही हूं कि हम जल्द ही इससे छुटकारा पा लेंगे। मुझे यह भी लगता है कि अब नई पीढ़ी की अभिनेत्रियों की शादी हो चुकी है और उनके बचे भी हैं। काजल ने इस बात पर भी जोर दिया कि फिल्म निर्माताओं के रूप में, उन्हें आगे बढ़ने और अपने दर्शकों के लिए ऐसी कहानियां पेश करने की जरूरत है जहां महिलाओं को विभिन्न भागों में देखा जा सके। दर्शकों को दोष न देते हुए काजल ने स्वीकार किया कि वे इसके लिए तैयार हैं लेकिन कलाकारों को इसमें शामिल होने की जरूरत है। काजल अग्रवाल ने साल 2020 में गौतम किचलू से शादी की। इसके दो साल बाद वह मां बनीं। हालांकि, अभिनेत्री ने यह भी स्वीकार किया है कि साउथ इंडस्ट्री में भी चीजें अब काफी यादा बदल रही हैं। उन्होंने नयनतारा की सराहना की कि वह अभी भी अपनी शर्तों पर रोमांटिक और एक्शन भूमिकाएं निभा रही हैं।

एक नक्षत्र में पैदा हुए थे नीतीश और श्रीकृष्ण, बीजेपी और सुशांत सिंह राजपूत से भी है कनेक्शन

टीवी शो महाभारत में भगवान कृष्ण का किरदार निभाकर घर-घर में मशहूर हुए अभिनेता नीतीश भारद्वाज आज अपना 61वां जन्मदिन मना रहे हैं। उन्होंने कृष्ण का रोल कुछ ऐसा अदा किया कि लोग उन्हें श्रद्धा के साथ देखने लगे। इतना ही नहीं कुछ लोग तो उन्हें भगवान ही मान बैठे। एक बार नीतीश ने अपने बारे में दिलचस्प बात बताते हुए कहा था कि वो रोहिणी नक्षत्र में पैदा हुए थे। कमाल की बात यह है कि भगवान श्रीकृष्ण का जन्म भी भादो महीने के कृष्ण पक्ष अष्टमी को रोहिणी नक्षत्र में ही हुआ था। नीतीश भारद्वाज का जन्म 2 जून 1963 को हुआ था। उन्होंने दो बार शादी की। पहली शादी साल 1991 में मोनिषा पाटिल से की थी, जो 2005 तक चली। इसके बाद साल 2009 में उन्होंने स्मिता से विवाह किया था।

हिंदी सिनेमा के 'प्रेम रोगी' थे राज कपूर, प्रेमिका की याद में खुद को सिगरेट से जलाते थे 'शोमैन

राज कपूर हिंदी सिनेमा की वो शख्सियत हैं, जो किसी पहचान के मोहताज नहीं है। राज कपूर ने अपने करियर में एक से बढ़कर एक सुपरहिट फिल्में दी हैं। हिंदी सिनेमा जगत में उन्हें शोमैन के नाम से जाना जाता था। राज कपूर की फिल्मों की जितनी चर्चा रही उतना ही उनका व्यक्तिगत जीवन भी सुर्खियों में रहा। राज कपूर के प्रेम प्रसंगों की चर्चा से हिंदी सिनेमा की गलियां गुलजार रहती थी। आइए आज उनकी पुण्यतिथि पर उनसे जुड़े कुछ किस्से जानते हैं।

आईजी की बेटी से हुई शादी

एक बार राज कपूर के पिता पृथ्वीराज कपूर रीवा के लोगों को रंगमंच से रूबरू कराने के लिए अपनी नाटक कंपनी लेकर रीवा गए थे। रीवा में पृथ्वीराज कपूर के देखरेख की जिम्मेदारी उस वक्त रीवा के आईजी करतार नाथ मल्होत्रा को सौंपी गई थी। इस दौरान पृथ्वीराज कपूर और आईजी करतार नाथ के बीच दोस्ती हो गई। पृथ्वीराज कपूर को आईजी करतार नाथ की बेटी कृष्णा पसंद आ गई और उन्होंने राज कपूर की शादी उससे तय कर दी। राज कपूर और कृष्णा मल्होत्रा की शादी साल 1946 में रीवा में हुई थी।

शादीशुदा राज कपूर पड़ गए थे नरगिस के प्यार में

राज कपूर और नरगिस की प्रेम कहानी जग जाहिर है। दोनों का इश्क इस कदर परवान चढ़ा कि उन्हें इस बात का भी ख्याल नहीं रहा कि वो शादीशुदा हैं। %प्यार हुआ इकरार हुआ है, प्यार से फिर क्यों डरता है दिल? कहता है दिल रस्ता मुश्किल, मालूम नहीं है कहां मंजिल% यह गाना राज कपूर की लव लाइफ पर बिल्कुल सटीक बैठता है। कहा जाता है कि राज कपूर के निर्देशन में बनी फिल्म 'आग' के दौरान उनके और नरगिस के बीच नजदीकियां बढ़ने लगी थीं।

प्यार के लिए पत्नी को नहीं छोड़ पाए थे राज कपूर

राज कपूर की शादी कृष्णा से हो चुकी थी। बावजूद इसके वह नरगिस के प्यार में पड़ गए। दोनों इश्क की इंतेहा तक पहुंच गए। कहा तो यह भी जाता है कि नरगिस राज कपूर के प्यार में इस कदर डूब चुकी थीं कि उनकी फिल्म में पैसा लगाने के लिए अपने गहने तक बेच दिए थे। दोनों ने 9 सालों तक मोहब्बत के सफर को तय किया, लेकिन उसे मंजिल तक नहीं पहुंचा सके। इसका सबसे बड़ा कारण था कि अपने प्यार के लिए राज कपूर अपनी पत्नी को नहीं छोड़ सकते थे।

नरगिस की शादी के बाद बन गए 'प्रेम रोगी'

राज कपूर से राहें जुदा करने के बाद नरगिस ने सुनील दत्त से शादी कर ली। ये सदमा राज कपूर बर्दाश्त नहीं कर सके। वह दुखों के सागर में डूब गए। राज कपूर के रातों की नींद उड़ गई। वह सारी रात बाथटब में बैठकर शराब पीते और रोते रहते थे। बताया जाता है कि राज कपूर को जब नरगिस की याद आती थी तब वह खुद को सिगरेट से जला लेते थे। राज कपूर के जीवन के कुछ किस्से ऐसे भी रहे हैं। उनका जीवन और प्रेम कहानी दोनों ही किसी फिल्म की स्क्रिप्ट जैसी ही है। हिंदी सिनेमा के शोमैन आज हमारे बीच भले नहीं हैं, लेकिन अपनी फिल्मों और अदाकारी के जरिए वो हर किसी के जहन में जिंदा हैं।

मौनी रॉय ने फिर कराई प्लास्टिक सर्जरी! जालिमा गाने में बदला लुक, नहीं पहचान पाए फैंस, हुई ट्रोल

अभिनेत्री मौनी रॉय को हाल ही में, अरबी गायक डिस्टिंक्ट के साथ अपने नए ट्रैक जालिमा की रिलीज के बाद ऑनलाइन ट्रोलिंग का सामना करना पड़ा। जहां इस गाने ने अपनी आकर्षक धुन और खूबसूरत सीन्स के लिए फैंस का ध्यान आकर्षित किया, वहीं वीडियो में मौनी की उपस्थिति ने सोशल मीडिया पर नकारात्मक टिप्पणियों की लहर पैदा कर दी। आइए जानते हैं कि मौनी के इस गाने को लोगों की कैसी प्रतिक्रिया मिल रही है।

नेटिजंस ने मौनी के लुक के लिए उन्हें ट्रोल किया और म्यूजिक वीडियो में मोरक्कन डांस मूव्स के लिए उनकी कड़ी आलोचना की। उनके लुक ने प्लास्टिक सर्जरी की अफवाहों को भी हवा दी। जैसे ही जालिमा गाना रिलीज हुआ, यूजर्स ने उनके मोरक्कन डांस मूव्स की तुलना की और कहा कि मेकर्स इस गाने में अभिनेत्री नोरा फतेही या जेनिफर विंगेट को ले सकते थे। मौनी को उनके लुक के लिए ट्रोल भी किया गया और नेटिजंस ने उन्हें म्यूजिक वीडियो में नन और प्लास्टिक कहा। एक यूजर ने लिखा, मौनी से बेहतर नोरा को कास्ट करते हैं। जबकि एक अन्य ने कमेंट किया, कितनी बुरी लग रही है। एक यूजर ने लिखा, मौनी आंखों को क्या हो गया? क्या इन्होंने आंखों में भी प्लास्टिक सर्जरी करवा ली है। जालिमा गाने में अरबी टच है। इसे डिस्टिंक्ट और श्रेया घोषाल ने गाया है। इसे मबारेक नौली, इलियास मंसूरी, ब्रायन मुमवुडी और राणा सोता ने लिखा है। ट्रैक का संगीत रजत नागपाल, यासीन अलौई मदाघरी और जोआओ लीमा पिंटो ने तैयार किया है। यह गाना अंशुल गर्ग के प्ले डीएमएफ म्यूजिक लेबल के तहत रिलीज किया गया था। वर्क फ्रंट की बात करें तो मौनी 2022 में ब्रह्मास्त्र भाग 1= शिवा में मुख्य विलेन की भूमिका निभाने के बाद सभी खबरों में थीं, जिसमें रणबीर कपूर और आलिया भट्ट थे। फैंस को यह फिल्म काफी पसंद आई थी।

मुख्यमंत्री एवं पुलिस महानिदेशक द्वारा दिए गए अवैध खनिज/रेत परिवहन करने वालों के विरुद्ध कठोर कार्यवाही के निर्देश

हाइवे रोड पर हुई आकस्मिक चेकिंग, 09 हाईवे ट्रक जप्त

सुनील यादव | सिटी चीफ | कटनी, मुख्यमंत्री एवं पुलिस महानिदेशक द्वारा अवैध खनिज/रेत परिवहन करने वालों के विरुद्ध कठोर कार्यवाही करने हेतु निर्देशित किया गया हैं। उक्त निर्देशों के परिपालन में अभिजीत कुमार रंजन द्वारा अपने नेतृत्व में पुलिस एवं माइनिंग विभाग की टीम गठित कर दरम्यानी रात्रि में जिले के अलग-अलग थाना क्षेत्रों में आकस्मिक चेकिंग कर सख्त कार्यवाही करने हेतु निर्देशित किया गया है। उप निरीक्षक नवीन नामदेव थाना प्रभारी रंगनाथनगर एवं पवन कुशवाहा तथा कमल परस्ते सहायक माइनिंग अधिकारी कटनी के नेतृत्व में गठित पुलिस एवं माइनिंग टीम द्वारा चाका कुठला, विजयराघवगढ़ एवम बरही थाना क्षेत्र तथा हाइवे रोड पर आकस्मिक चेकिंग की गई,

चेकिंग के दौरान रोड से से गुजरने वाले वाहनों एवं रोड के किनारे खड़े लगभग 80-90 वाहनों को चेक किया गया, जो आकस्मिक चेकिंग दौरान अवैध खनिज परिवहन एवं आवश्यकता से अधिक ओवरलोड 06 हाईवे ट्रक वाहन पकड़े गए, जिसमें से चार गाड़ियों में रेत, 01 वाहन में गिट्टी, 01 वाहन बॉक्साइट पर कार्यवाही की गई है। मौके पर जप्ती कार्यवाही कर 02 हाइवा ट्रक को थाना विजयराघवगढ़, 03 हाइवा ट्रक को थाना बरही एवम 01 हाइवा ट्रक को थाना कुठला में सुरक्षार्थ खड़ा किया गया है। इसी प्रकार उप निरीक्षक महेन्द्र जायसवाल चौकी प्रभारी झिंझरी एवं माइनिंग निरीक्षक अशोक मिश्रा के नेतृत्व में गठित पुलिस एवं माइनिंग टीम द्वारा कुठला-जुहला क्षेत्र एवं बड़वारा क्षेत्र के हाइवे रोड पर आकस्मिक चेकिंग की गई, चेकिंग के दौरान रोड से से गुजरने वाले वाहनों एवं रोड के किनारे खड़े लगभग 45-50 वाहनों को चेक किया गया, जो आकस्मिक चेकिंग दौरान 03 डम्फर वाहन में क्षमता से अत्यधिक अधिक ओव्हरलोड रेत होना पाया जाने से मौके पर जप्ती कार्यवाही कर 02 वाहनों को थाना कुठला में सुरक्षार्थ खड़ा किया गया है एवं 01 वाहन थाना बड़वारा में सुरक्षार्थ खड़ा किया गया है। इस प्रकार पुलिस अधीक्षक अभिजीत कुमार रंजन के नेतृत्व में ओवरलोड एवं अवैध खनिज का परिवहन करना पाए जाने पर 09 ट्रक हाईवे वाहनों को जप्त जप्त कर सख्त कार्रवाई की गई है।

कटनी में हुआ भयानक सड़क हादसा

तेज रफ्तर बोलेरो दीवार से जा टकराई, 3 लोगो की दर्दनाक मौत, बोलेरो चालक समेत 3 अन्य घायल

सुनील यादव | सिटी चीफ | कटनी, कटनी जिले के बरही थाने सीमाक्षेत्र से सटे उमरिया जिले के अमरपुर चौकी के अंतर्गत आने वाले ग्राम बड़छड़ में बीती रात एक तेज रफ्तर बोलेरो वाहन अचानक स्टेरिंग टूट जाने से पुलिया से नीचे गिर एक सड़क किनारे पर स्थित निर्माणधीन मकान की दीवार से जा टकराई। इस हादसे में बुलेरो सवार 3 लोगो की दर्दनाक मौके पर ही मौत हो गई, बोलेरो चालक समेत 3 अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। घटना के बाद स्थानीय लोगों की सहायता से घायलों का उपचार के लिए कटनी के एक निजी अस्पताल पहुंचाया गया। जहां उनका इलाज चल रहा है। इस हादसे में जान गवाने वाले तीनों वाहन सवार भिंड जिले के रहने वाले थे, जो रेत ठेका कंपनी धन लक्ष्मी में फ्लाइंग स्क्वार्ड के रूप में काम करते थे। एडिशनल एसपी संतोष

डहरिया ने बताया कि हादसा इतना वीभत्स था कि सभी मृतक वाहन में बुरी तरह से दबे हुए थे, जिन्हें ग्रामीणों की मदद से कड़ी मशक्कत के बाद बाहर निकालकर बरही अस्पताल पहुंचाया गया। जबकि , घायलों को निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां गंभीर हालत में उनका इलाज चल रहा है। इस सड़क हादसे के बाद रेत ठेका कंपनी में मातम पसर गया। घटनाक्रम के बारे में रेत कंपनी के जीएम अभिषेक निगम ने बताया कि स्टेरिंग टूट जाने के कारण इस हादसे के होने की बात सामने आई है।पोस्टमार्टम उपरान्त मृतकों को उनके घर तक भेजने के लिए एम्बुलेंस की व्यवस्था के साथ तात्कालिक हर संभव मदद की जा रही है। बहरहाल, पंचनामा कार्रवाई के बाद तीनों का पोस्टमार्टम बरही में करने की कवायद की जा रही थी।

कटनी के खुंखार आरोपी राहुल बिहारी एवं उसके अन्य चार गिरफ्तार

दो पिस्टल, एक कट्टा ,एक रिवॉल्वर जप्त

सुनील यादव | सिटी चीफ | कटनी, कटनी के नायरा पेट्रोल पंप में डकैती की योजना बना रहे खुंखार आरोपी राहुल बिहारी एवं उसके अन्य चार सहयोगियो को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। जिनके पास से दो पिस्टल, एक कट्टा ,एक रिवॉल्वर पुलिस ने जप्त किया। कटनी पुलिस अधीक्षक अभिजीत कुमार रंजन ने प्रेस वार्ता में जानकारी देते हए बताया कि मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि ग्राम पडुआ रोड तालाब के पास एक सफेद रंग की बिना नंबर की स्विफ्ट कार जिसमे 5 लोग कार से उतरकर अंधेरे मे बैठे है और आपस मे बाते कर रहे है कि नायरा पेट्रोल पंप को लूटना है। मैनेजर को कट्टा अडाकर उसको लूट लेंगे। मुखबिर की सूचना पर पुलिस की टीम मौके पर पहुची वही पुलिस को नजदीक आता देखकर बदमाशो मे भगदड मच गई। बदमाश पुलिस को देख कर भागने लगे।

पुलिस भी उनके के पिछे भागते हुए बदमाशो को पुलिस ने पकड लिया जिससे बदमाशो एवं पुलिस स्टाफ को भी चोटेआई। पुलिस टीम के द्वारा अलग अलग व्यक्तयों को पकड़ा जाकर नाम पता पूछे जाने पर आरोपियो ने अपना नाम 1राहुल बिहारी 2. पंकज जायसवाल 3.अनंद माखीजा, 4.नीरजउर्फ केतू रजक 5. , करण बिहारी बताया पांचों आरोपियो के पास से 2 पिस्टल, 1 कट्टा,1 रिवाल्वर जप्त की गई है। पांचों आरोपियों के द्वारा उपयोग में लायी गयी एक लक्जरी स्विफ्ट कार जिसकी तलाशी लेनेपर कार की डिक्की में एक लोहे का बका एक टार्च , एक नायलोन की रस्सी, एक लोहे की राड, एक पेचकस, तीन गमछे एवं एक काले रंग का बैग मिले। उपरोक्त जप्त हथियार एवं स्विफ्ट कार की कीमतकरीब 8 लाख आकी गई है और सभी आरोपियों को कोर्ट में पेश कर जेल भेज दिया है।

कटनी में हुई 07 चोरियों का हुआ पर्दाफाश

4 लाख 75 हज़ार 5 सौ रूपये कीमती चोरी का माल बरामद

सुनील यादव | सिटी चीफ | कटनी, कटनी के ह्यद्छ थाना क्षेत्र में अलग-अलग स्थानों पर हुई 07 चोरियों का पुलिस ने पर्दाफाश किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 4 लाख 75 हज़ार 5 सौ रूपये कीमती चोरी का माल बरामद किया। मजेदार बात यह है कि चोर चोरी के माल को बेचते नहीं बल्कि गोल्ड लोन लेते थे। यह सचमुच में अपनी तरह पहली वारदात है। कटनी एसपी अभिजीत रंजन ने बताया की चोरी की वारदात एवं माल मुल्जिम की तलाश पत्ता साजी हेतु थाने में एक टीम गठित की गई व मुखबिर लगाए गये। मुखबिरों से प्राप्त जानकारी से कुछ संदेहियों के नाम प्राप्त हुये थे जिनकी पता तलास की जा रही थी। इसी बीच मुखबिर द्वारा सूचना मिली की चोरी के संदेही नितेश, राहुल बेन, विक्की बेन को दुर्गा चौक कटनी के आस पास देखा गया जो टीम

द्वारा सूचना तस्दीक हेतु तत्काल प्रभावी चैकिंग लगाकर तीनो संदेहियों को दुर्गा चौक में रोका गया व संदेहीयो से चोरी के संबंध में पूछताछ हेतु दुर्गाचौक से पकड़कर थाना लाया गया। जब इनसे चोरी के संबंध में कड़ाई से पूछताछ की गई जो नितेश द्विवेदी द्वारा मोटर साईकिल चोरी करना व राहुल बैन व विक्की बैन के साथ मिलकर अन्य जगहो गृहभेदन कर सोने चांदी के जेवरात चोरी करना बताया। उक्त चोरों व्दारा चोरी किये गये जेवरात को सुनारो को न बेचकर गोल्ड लोन कम्पनी में गिरवी रखना बताया। जिससे कि वो कभी पकडे न जाये सख्ती से पूछताछ करने पर उनके व्दारा कुल सात चोरियां करना कबूल किया गया है। गिरफ्तार आरोपी मे नितेश द्विवेदी निवासी रोशननगर, राहुल बेन निवासी गायत्री नगर, विकाश उर्फ विक्की बेन निवासी गायत्री नगर थाना कोतवाली कटनी शामिल हैं। इन चोरों से सोने चांदी के जेबरात कीमती 2,75000 रुपये एक मोटर साईकल कीमती 70,000 रुपये एक एम्लीफायर, दो माईक कीमती 20500 रुपये लोहे की सरिया कीमती 1,10,000 रुपये है। कुल 4 लाख 75 हजार 5 सौ रुपये चोरी का माल बरामद किए गए।

देवबंद के खंड विकास कार्यालय परिसर में नशा मुक्ति प्रदर्शनी लगाई गई

तंबाकू के सेवन से होने वाले नुकसान के बारे में बताते हुए विभिन्न पोस्टरों के माध्यम से नशा मुक्ति का संदेश दिया गया

गौरव सिंघल | सिटी चीफ | सहारनपुर | देवबंद, अंतर्राष्ट्रीय तंबाकू मुक्ति दिवस के अवसर पर प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय की शिव चौक शाखा ने खंड विकास कार्यालय परिसर में नशा मुक्ति प्रदर्शनी लगाई। इसमें तंबाकू सेवन से होने वाले नुकसान के बारे में बताते हुए विभिन्न पोस्टरों के माध्यम से नशा मुक्ति का संदेश दिया गया प्रदर्शनी में ब्रह्माकुमारी पारुल बहन ने तंबाकू व शराब से होने वाले नुकसान के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि यह एक धीमा जहर है। इसकी लत घर परिवार का चैन बर्बाद कर देती है और व्यक्ति समाज में तुच्छ दृष्टि से देखा जाने लगता है। उन्होंने बताया कि तंबाकू से प्रतिदिन भारत में 2500 से तीन हजार और विश्व भर में प्रतिवर्ष लगभग 25 लाख लोगों की मृत्यु हो जाती है। उन्होंने कहा कि आज के दिन हमें नशा मुक्ति का संकल्प लेना चाहिए। उन्होंने बताया कि राजयोग की विधि से आसानी से इस बुराई से मुक्ति पाई जा सकती है। प्रदर्शनी का अवलोकन करने आए ब्लाक प्रमुख प्रतिनिधि विजय त्यागी ने ब्रह्माकुमारी बहनों द्वारा नशा

मुक्ति को किए जा रहे प्रयासों की प्रशंसा की। इस अवसर पर आयुष, गोवर्धन, दीपक, जयवीर, मोंटी, कविता बहन अरविंद, अंकुर, निशांत, प्रद्युम्न आदि मौजूद रहे।

सहारनपुर के राजकीय मेडिकल कॉलेज में वर्ल्ड नो तंबाकू डे के ऊपर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

एमबीबीएस के छात्र नवनीत एवं आरुषि ने व्याख्यान भी प्रस्तुत किया

गौरव सिंघल | सिटी चीफ | सहारनपुर, राजकीय मेडिकल कॉलेज सहारनपुर के एमबीबीएस एवं एमडी के छात्रों द्वारा अर्बन हेल्थ सेंटर एवं रूरल हेल्थ सेंटर एवं एयर फोर्स स्टेशन सरसावा में वर्ल्ड नो तंबाकू डे के ऊपर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया। बच्चों में तंबाकू सेवन के बढ़ते मामलों को देखते हुए जागरूकता कार्यक्रम सामान्य जनमानस के लिए चलाया गया। जिसमें तंबाकू से होने वाले दुष्प्रभाव के बारे में एवं गंभीर बीमारियों के बारे में बताया गया। कार्यक्रम में सहायक आचार्य डॉक्टर गगन गर्ग, डॉ. भावना जैन, एमडी के छात्र डॉक्टर जितेंद्र, डॉक्टर छाया, डॉक्टर

मनीष ने भी भाग लिया। कार्यक्रम का सफल संचालन इंटर्न आराध्य एवं दुष्यंत ने किया। इस दौरान एमबीबीएस के 21 और 22 बैच के छात्र-छात्राओं ने भी भाग लिया और नाटकीय प्रस्तुति के द्वारा तंबाकू से होने वाले दुष्प्रभाव के बारे में बताया कि किस तरह सेतम्बाकू हमारे शरीर पर, हमारे समाज पर हमारे परिवार पर एवं हमारे खर्चे पर प्रभाव डालता है। एयर फोर्स सरसावा से डॉ वैभव ने कार्यक्रम का संचालन किया।एमबीबीएस के छात्र नवनीत एवं आरुषि ने व्याख्यान भी प्रस्तुत किया।

सहारनपुर में आचार्य चाणक्य की जयंती विश्व ब्राह्मण दिवस

गौरव ब्राह्मण दिवस के रूप में मनाई गई : रोहित कौशिक

गौरव सिंघल | सिटी चीफ | देवबंद | सहारनपुर, आचार्य चाणक्य की जयंती अंतर्राष्ट्रीय ब्राह्मण दिवस, ब्राह्मण गौरव दिवस के रूप में मनाई गई। सोशल वर्कर व युवा ब्राह्मण नेता शुभम वत्स व रोहित कौशिक ने कहा कि आचार्य चाणक्य का जन्म 375 ई

तक्षशिला में हुआ था। वह महान अर्थशास्त्री शाही सलाहकार राज्य के प्रधानमंत्री और बड़े राजनीतिक और मार्गदर्शन थे। इन्हें कोटली और विष्णु गुप्त के नाम से भी जाना जाता था। शास्त्रार्थ में कभी इनको कोई हरा नहीं पाया। उन्होंने अपने शिष्य चंद्रगुप्त मौर्य को मगध का राजा बनाया था। उन्होंने कहा कि आचार्य चाणक्य के विषय में कहा जाता है कि एक बार मगध में राजा धनानंद ने ब्राह्मणों को दान देते समय वहां पर उपस्थित आचार्य चाणक्य जो महादान देने गए थे उनका घोर अपमान किया था। इसी अपमान का बदला लेने के लिए आचार्य चाणक्य जी ने दृढ़ निश्चय किया कि मैं राजा धनानंद को मिटा दूंगा और इसी को लेकर अपनी चुटियां में सौगंध खाकर गांठ बांध ली थी। उन्होंने अपने किए निर्णय का पालन किया और एक दिन एक गवले को जिसका नाम चंद्र था उसको अपना सरनेम गुप्त देकर मगध राजा बनाया। आज आचार्य चाणक्य की जयंती को ब्राह्मण गौरव दिवस के रूप में मनाया गया। युवा ब्राह्मण नेता रोहित कौशिक ने कहा कि सोशल मीडिया के प्लेटफार्म ट्विटर, फेसबुक, इंस्टाग्राम, टेलीग्राम पर ट्रेंड चल गया है विश्व ब्राह्मण दिवस, अंतर्राष्ट्रीय ब्राह्मण दिवस, गौरव ब्राह्मण दिवस। जिसमें भारी संख्या में समाज के युवाओं ने सहयोग किया।

यमुना नदी में नहाते समय दो सगे भाइयो की डूबने से हुई मौत

उनके साथी ने बचाने के लिए शोर मचाया, लेकिन जब उन्हें बाहर निकाला गया तब तक उनकी मौत हो चुकी थी

गौरव सिंघल | सिटी चीफ | लखनौती। सहारनपुर, यमुना नदी में नहाते समय दो सगे भाई गांव कुंडा कला निवासी समद (15) और आहद (12) पुत्र कारी गुलफाम की डूबने से मौत हो गई। उनके साथी ने बचाने के लिए शोर मचाया,लेकिन जब उन्हें बाहर निकाला गया तब तक उनकी मौत हो चुकी थी। परिजन बिना पोस्टमार्टम कराए शवों को अपने साथ ले गए। प्राप्त जानकारी के अनुसार समद अपने छोटे भाई आहद और पड़ोसी अनस (8) पुत्र गुलजार के साथ खेत से घास लाने के लिए यमुना नदी पार कर रहे थे। इस दौरान वह नदी में नहाने लगे। तभी आहद डूबने लगा, छोटे भाई को डूबता देख समद उसे बचाने पहुंचा, लेकिन गड्ढा इतना गहरा था कि वह भी

डूब गया। दोनों भाइयों को डूबता देख अनस ने बाहर निकलकर मदद के लिए शोर मचाया। नदी के आसपास कोई व्यक्ति नहीं दिखाई दिया, जिसके बाद अनस ने गांव में जाकर दोनों भाइयों के डूबने की जानकारी दी। परिजन और बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर पहुंचे। दोनों भाइयों की पानी में तलाश शुरू कर दी। करीब एक घंटे बाद दोनों को बाहर निकाला गया, तब तक उनकी मौत हो चुकी थी। दोनों भाइयों की मौत से गांव में मातम पसरा हुआ है। आहद और समद पांच भाई-बहन थे। इनसे बड़ा एक भाई है, जबकि दो-भाई बहन इनसे छोटे हैं। पिता कारी गुलफाम कपड़ों की फेरी लगाते हैं और खेतीबाड़ी भी करते हैं। दो बच्चों की मौत से उनके घर में कोहराम मचा हुआ है।

देवबंद में पैसे के लेनदेन में दो पक्षों के बीच जमकर लाठी डंडे चले एक महिला सहित तीन लोग हुए घायल, सरकारी अस्पताल में भर्ती

गौरव सिंघल | सिटी चीफ |

सहारनपुर | देवबंद, देवबंद कोतवाली क्षेत्र के केंदुकी गांव में पैसे के लेनदेन में दो पक्षों के बीच जमकर लाठी डंडे चले। जिसमें एक महिला सहित तीन लोग घायल हो गए। जिन्हें सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया। दोनों पक्षों ने एक दूसरे पर आरोप लगाकर पुलिस को तहरीर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार केंदुकी गांव निवासी मेघराज और ऋषिपाल के बीच पैसों को लेकर विवाद चल रहा है। इसी को लेकर मेघराज और ऋषिपाल पक्ष के अंकित के बीच कहासुनी के बाद मारपीट हो गई। देखते ही देखते दोनों पक्षों की ओर से लोग आमने-सामने आ गए और उनके बीच लाठी-डंडे चलने लगे। जिसमें मेघराज, अंकित और एक महिला घायल हो गई। सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने दोनों पक्षों को समझाकर शांत किया और घायलों को सरकारी अस्पताल में भर्ती

कराया। जहां से अंकित और महिला को रेफर करदिया गया। पुलिस का कहना है कि दोनों पक्षों की ओर से तहरीर मिली है। जांच के बाद कार्रवाई की जाएगी।

अलीराजपुर में ज्वेलरी शॉप में हुई डकैती का पुलिस ने किया खुलासा, 5 आरोपी गिरफ्तार आभूषण बरामद

एसआईटी ने 7 दिवस के भीतर 10 हजार के ईनामी आरोपियों को पकड़ा, दो बाइक जब्त

भोपाल/अलीराजपुर ।

अलीराजपुर जिले की जोबट तहसील अंतर्गत ज्वेलरी शॉप पर हुई सनसनीखेज डकैती का 7 दिन के अंदर अलीराजपुर पुलिस ने खुलासा किया है। इस प्रकरण में पुलिस ने 5 आरोपियों को गिरफ्तार कर सोने व चांदी के आभूषण और दो मोटर साइकिल जब्त की है। घटना के बाद पुलिस अधीक्षक श्री राजेश व्यास ने मौके का निरीक्षण कर तत्काल एसआईटी का गठन कर आरोपियों पर 10 हजार रुपए का ईनाम घोषित कर उन्हें पकड़ने के निर्देश जारी किए थे। आरोपियों की तलाश के लिए पुलिस की पांच टीमें बनाई गईं। पुलिस महानिरीक्षक इंदौर ग्रामीण श्री अनुराग द्वारा प्रकरण की लगातार समीक्षा की गई। वहीं इंदौर ग्रामीण रेंज डीआईजी निमिष अग्रवाल द्वारा भी घटना स्थल का जायजा लेकर आवश्यक निर्देश दिए थे। दरअसल 24 मई 2024 को अलीराजपुर जिले के थाना जोबट के अंतर्गत आने वाले शिव मार्ग निवासी राधिका सोनी ने पुलिस में शिकायत दर्ज कर बताया कि जब वे प्रतिदिन की तरह अपने निवास स्थान से लगी अपनी ज्वेलर्स शॉप पर बैठी थी तभी सुबह 11ः45 बजे तीन मोटरसाइकिलों से आए आठ हथियार बंद आरोपियों ने दुकान में घुसकर मुझे लोहे के फालिये से मारकर घायल कर दिया। इसके बाद बदमाश, दुकान में रखे चांदी के जेवर व गले में पहनी सोने की चेन लूट कर ले गए । महिला की रिपोर्ट पर तत्काल थाना जोबट में अपराध क्रमांक 281/2024 धारा 394, 395 भादवि की प्रथम सूचना रिपोर्ट पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया । अत्यधिक गंभीर व सनसनीखेज प्रकृति की घटना घटित होने से तत्काल पुलिस अधीक्षक श्री राजेश व्यास घटना स्थल पहुंचे और स्ङ्खञ्ज का गठन कर आरोपियों के संबंध में जानकारी देने वाले पर 10000 रुपए का ईनाम घोषित किया। एसडीओपी जोबट नीरज नामदेव के नेतृत्व में आरोपियों की गिरफ्तारी के लिये स्ङ्खञ्ज व पृथक-पृथक 5 टीमों का गठन किया गया । पांचों टीमों के साथ पुलिस ने मुखबिर तंत्र को सक्रिय किया। पुलिस को गुप्त सूचना मिली कि ग्राम कदवाल थाना बोरी के कुख्यात फरार आरोपी तथा ग्राम ढेलवानी के कुख्यात बदमाश की गैंग द्वारा इस वारदात को अंजाम दिया गया है । आरोपियों की धरपकड़ के लिए पुलिस की टीमों द्वारा विभिन्न स्थानों पर दबिश दी गई। जिसकी पल-पल की जानकारी अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री प्रदीप पटेल रख रहे थे। उक्त पांचों टीमों द्वारा ग्राम कनवाड़ा में संयुक्त रूप से दबिश दी गई। दबिश के दौरान चार कुख्यात आरोपियों को पुलिस ने धरदबोचा। जब इनका आपराधिक रिकार्ड तलाशा गया तो पुलिस को ज्ञात हुआ कि आरोपियों ने अलीराजपुर जिले के साथ ही अन्य जिलों में भी वारदातों को अंजाम दिया है। कई जिलों की पुलिस को भी आरोपियों की तलाश थी। पुलिस ने गिरफ्तारी की कार्यवाही में एक विधि के प्रतिकूल बालक-को भी अभिरक्षा में लिया है। आरोपियों ने पूछताछ में बताया कि ग्राम बाकानेर की शिक्षक कॉलोनी मनावर के एक व्यक्ति को उन्होंने सारे जेवर बेचे हैं। आरोपियों की निशानदेही पर पुलिस ने डकैती के जेवर खरीदने वाले व्यक्ति के घर दबिश देकर तीन किलो चांदी के आभूषण (कीमत लगभग 2,14,380 रुपए) तथा एक सोने की चेन (कीमत लगभग 50 हजार रुपए) जब्त की गई। आरोपियों से घटना में प्रयुक्त 02 मोटरसाइकिल भी जब्त की है। इस तरह पुलिस को लगभग 404380 रूपए का माल बरामद करने में सफलता मिली है। प्रकरण में अभी 4 आरोपी फरार है, जिनकी तलाश जारी है।

ऐसे देते थे वारदात को अंजाम - लूट, चोरी, डकैती की घटना को अंजाम देने वाले कुख्यात बदमाश घटनास्थल की रैकी करते थे। इसके बाद योजनाबद्ध तरीके से वारदात करते थे। जोबट में हुई डकैती की घटना को भी बदमाशों ने इसी तरह अंजाम दिया था। रैकी के बाद उन्होंने दूसरी गैंग से संपर्क कर फालिया और देशी कट्टे का प्रयोग कर डकैती की।

इनकी रही सराहनीय भूमिका - प्रथम टीम में निरी. सोनू सिटोले थाना प्रभारी जोबट, उनि धनराज सेमिया, सउनि दीपक मालवीया, सउनि विक्रम लाखन, सउनि दिनेश नरगांवे, आरक्षक गजेन्द्र, आरक्षक मनीष, आरक्षक निलेश, आरक्षक लेखराम, आरक्षक चेनसिह, आरक्षक जयराम, आरक्षक अर्जुन, आरक्षक दलसिंह, प्रआर रविन्द्र खन्ना, आर प्रताप जमरा, आर नबु वसुनिया, आरक्षक महेश, आरक्षक राजेन्द्र मौर्य, आरक्षक मुनसिंह, दूसरी टीम में निरी. छगनसिह बघेल, प्रधान आरक्षक सतीश, सउनि अरूण, आरक्षक पन्नालाल, आरक्षक मुनसिंह, तृतीय टीम में निरी. राजाराम बडोले, आरक्षक विशाल, आरक्षक प्रदीप, आरक्षक अर्जुन, आरक्षक हेमराज, आरक्षक रविन्द्र, चौथी टीम में उनि. मोहन डावर, सउनि. अजय यादव, प्रधान आरक्षक दिलीप (सायबर सेल), आरक्षक प्रमोद, (सायबर सेल), आरक्षक मुकेश, आरक्षक सुनील, आरक्षक सुरेश पांचवी टीम में उनि. योगेन्द्र मण्डलोई, उनि योगेन्द्र सोजतिया, सउनि मनीष, आरक्षक मोहन, प्रधान आरक्षक मुकेश अमलीयार एवं आरक्षक राहुल (सायबर सेल) की भूमिका सराहनीय रही।

तीन तलाक के आरोपी पर मामला दर्ज

पुलिस ने उठाए सख्त कदम, महिला की शिकायत पर तत्काल कार्रवाई

भोपाल/आगर मालवा । मध्यप्रदेश पुलिस महिलाओं की सुरक्षा और सम्मान के लिए प्रतिबद्ध है। इसी कड़ी में आगर मालवा में एक महिला की शिकायत पर तीन तलाक देने वाले पति पर पुलिस ने प्रकरण दर्ज किया है। दरअसल 31 मई को आगर थाना पहुंचकर एक 27 वर्षीय महिला ने शिकायत दर्ज कराते हुए पुलिस को बताया कि पति सहित सास और ननद उसे दहेज के लिए प्रताड़ित करते हैं। दहेज की मांग पूरी न करने पर उसके पति ने उसे तीन तलाक देकर घर से बाहर निकाल दिया। महिला की शिकायत को गंभीरता से लेते हुए पुलिस सख्त कदम उठाते हुए पति, सास और ननद पर धारा 498 (ए), 323, 34 भादवि, 4 मुस्लिम महिला विवाह पर अधिकार का संरक्षण अधिनियम 2019 का अपराध पंजीबद्ध किया है।

सफलता के लिए व्यवस्थित और संकल्पित प्रयास जरूरी

कलेक्टर ने की आदर्श बालगृह के बच्चों से भेंट

मंडला शनिवार को कलेक्टर डॉ. सलोनी सिडाना ने आदर्श बालगृह के बच्चों से भेंट की। इस दौरान उन्होंने बच्चों से आत्मीय चर्चा करते हुए कहा कि विद्यार्थी जीवन में ही अपने लक्ष्य को निर्धारित करें तथा उसे हासिल करने के लिए योजनाबद्ध रूप से अध्ययन पर ध्यान दें। जीवन में सफल होने के लिए शिक्षा ही एकमात्र रास्ता है। व्यवस्थित और संकल्पित प्रयासों से ही सफलता प्राप्त होती है। उन्होंने कहा कि बच्चों की काउंसलिंग करें तथा उन्हें आगे बढ़ने में हरसंभव सहयोग करें।

कलेक्टर ने निर्देशित किया कि खाने में मीनू का पालन करें। नियमित रूप से बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण कराएं। बच्चों को शैक्षणिक भ्रमण कराएं। सामान्य ज्ञान तथा विषय आधारित पुस्तकों की उपलब्धता सुनिश्चित करें। खेल तथा मनोरंजक गतिविधियां बढ़ाएं। डॉ. सिडाना ने लायब्रेरी, डोरमेट्री, शौचालय, स्नानागार, इंडोर-आउटडोर गेम आदि के संबंध में भी आवश्यक निर्देश दिए। इस दौरान सहायक कलेक्टर आकिप खान, जिला कार्यक्रम अधिकारी शालिनी तिवारी सहित संबंधित उपस्थित रहे।

कलेक्टर की उपस्थिति में सेवानिवृत्त शासकीय सेवकों की दी गई भावभीनी विदाई

सेवा निवृत्त शासकीय सेवकों के अनुभव का लाभ मिलता रहेगा - कलेक्टर

उमरिया

सेवा निवृत्त शासकीय अब पारिवारिक एवं सामाजिक दायित्वों का बेहतर तरीके से निर्वहन कर सकेंगे - सीईओ जिला पंचायत

उमरिया - सेवा निवृत्त शासकीय प्रक्रिया का भाग है, अब शासकीय सेवाओं का बेहतर दायित्व निर्वहन करने के बाद अपने परिवार जनों के साथ जीवन बिताये तथा जो सौख या कार्य छूट गए हैं, उन्हें पूरा करें, साथ ही अपने अनुभवों का लाभ मार्गदर्शन के रूप में अपने सहकर्मियों को देते रहे, यह विचार कलेक्टर श्री धरणेन्द कुमार जैन ने सेवा निवृत्त कर्मचारियों क्रमशः अधीक्षक स्थानीय निर्वाचन श्री सुग्रीव सेन तथा वन स्टाफ सेन्टर उमरिया की प्रशासक श्रीमती ललिता मिश्रा की शासकीय सेवा की अर्धवार्षिकीय आयु पूरा होने पर कलेक्टर सभागार में आयोजित विदाई समारोह में संबोधित करते हुए व्यक्त किये। इस अवसर पर सेवा निवृत्त कर्मचारियों तथा उनके परिजनों का माल्या र्पण कर स्वागत किया गया। सीईओ जिला पंचायत अभय सिंह ओहरिया ने कहा कि सेवा निवृत्त शासकीय अब पारिवारिक एवं सामाजिक दायित्वों का बेहतर तरीके से निर्वहन कर सकेंगे। जो क्षण उन्हो ने डियुटी के दौरान परिवार के साथ नही बिता पाये है, वह अब उनके साथ बिता पायेगे । भविष्य में जरूरत पडने पर उनसे मार्गदर्शन समय समय पर मिलता रहे, आप स्वस्थ्य एवं प्रसन्नचित रहे, ऐसी मेरी शुभकामना है । इस अवसर पर अपर कलेक्टर शिवगोविंद सिंह मरकाम, एसडीएम बांधवगढ रीता डेहरिया, डिप्टी कलेक्टर मीनांक्षी इंगले, हरनीत कौर, अंबिकेश प्रताप सिंह, जिला सन्वयक सर्व शिक्षा अभियान सुशील मिश्रा सहित स्थानीय निर्वाचन के कर्मचारी एवं कलेक्टर कार्यालय के अधिकारी, कर्मचारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन अपर कलेक्टर ने किया एवं कार्यक्रम का आभार प्रदर्शन डीपीसी ने कि या ।

नेत्र शिविर में 117 मरीज का नेत्र परीक्षण नेत्र रोगों से बचाव के तरीके बताए गए

जनपद प्रतिनिधि देवेंद्र रघुवंशी देबू द्वारा आयोजित किया गया नेत्र शिविर

गंज बासौदा ग्राम गुफा माशेर मे परम पूजयनीय गुरु महाराज की प्रेरणा से समाजसेवी एवं जनपद सदस्य प्रतिनिधि देवेंद्र सिंह रघुवंशी देबू द्वारा आयोजित मोतियबिंद निवारण शिविर मे सद्गुरु सेवा संघ ट्रस्ट के नेत्र चिकित्सक डॉक्टर संजय पांडे एवं कैंप प्रभारी रवि धाकड़ ने 117 मरीज के नेत्र परीक्षण कर उन्हें नेत्र रोगों से बचाव के तरीके बताएं और उनसे अनुरोध किया कि व प्रत्येक माह में अपने नेत्र परीक्षण कारण ताकि नेत्रों से होने वाली परेशानियों से सामना न करना पड़े इस अवसर पर स्वर्गीय श्री नारायण सदाशिव पिंगले सेवा संस्थान के सुनील बाबू ने कहा कि स्वर्गीय रणछोड़ दास जी की कृपा से आनंदपुर ट्रस्ट द्वारा 50000 से अधिक ऑपरेशन निशुल्क किए जाते हैं जो की एक अनुकरणीय उदाहरण है इस अवसर पर समाजसेवीएवं जनपद प्रतिनिधि देवेंद्र देबू रघुवंशी सहित आनंद मिश्र एवं मुकेश साहू विजय लोधी रिंकू रघुवंशी उपस्थित थे इस अवसर पर सभी अतिथियो का पुष्प हार पहनाकर स्वागत किया 60लोगों को दवाइयां का वितरण किया गया

झाबुआ प्रवीण सोलंकी झाबुआ-मेघनगर पुलिस टीम द्वारा 10000 का इनामी स्थाई वारंटी भीमसिह पिता सुरला निवासी बलवाना डही जिला धार को गिरफ्तार किया गया है।

श्री महाकालेश्वर मंदिर की भस्म आरती बुकिंग व्यवस्था को बनाया गया और अधिक सुगम और पारदर्शी

श्रद्धालु अपनी भस्म आरती पहले से कर सकेंगे प्लान

उज्जैन महाकालेश्वर श्री महाकालेश्वर मंदिर में सुप्रसिद्ध भस्म आरती की बुकिंग व्यवस्था को और अधिक पारदर्शी, सुगम और सुचारू बनाने के लिए नई व्यवस्था 1 जून से लागू कर दी गई है। जिसमें पहले आओ पहले पाओ के आधार श्री महाकालेश्वर मंदिर की वेबसाइट पर 1 जुलाई से 31 जुलाई तक के लिए 9153 श्रद्धालुओं की भस्म आरती की रिक्वेस्ट स्वीकृत की गई हैं। अगस्त, सितंबर और अक्टूबर माह की बुकिंग भी ओपन रहेगी। नई व्यवस्था के तहत अब श्रद्धालु पहले से ही अपनी भस्म आरती प्लान सकेंगे। जिसमें हर माह की एक तारीख को अगले माह की भस्म आरती की बुकिंग जारी कर दी जाएगी। जैसे कि 1 जून को अगले जुलाई माह की बुकिंग जारी की गई है। साथ ही उसके आगामी 3 माह के लिए भस्म आरती की बुकिंग ओपन रहेगी। श्रद्धालुओं को अपनी भस्म आरती बुकिंग की जानकारी उनके द्वारा दिए गए मोबाइल नंबर पर भेजी जायेगी। श्रद्धालुओं को 24 घंटे के अंदर निर्धारित शुल्क जमा कर अपने पास जनरेट करने होंगे। 24 घंटे के अंदर पास नहीं जनरेट करने पर श्रद्धालु की रिक्वेस्ट कैंसल कर दी जाएगी और वेटिंग लिस्ट की मैरिट के आधार पर श्रद्धालु की रिक्वेस्ट स्वीकार की जाएगी। श्रद्धालु इस प्रकार बुक करें अपनी भस्म आरती श्रद्धालु अपनी भस्म आरती की बुकिंग के लिए श्री महाकालेश्वर मंदिर की वेबसाइट www.shrimahakaleshwar.com पर जाकर भस्म आरती के एडवांस बुकिंग के ऑप्शन पर क्लिक कर अगस्त, सितंबर और अक्टूबर माह के लिए अपनी भस्म आरती बुक कर सकते हैं। 15 जून को पूर्ण रूप से बंद होगी पुरानी व्यवस्था भस्म आरती की बुकिंग की पुरानी व्यवस्था जिसमें 15 दिन पहले भस्म आरती बुक की जाती थी। इसे 15 जून तक पूर्ण रूप से बंद कर दिया जाएगा। गौरतलब है कि पहले पोर्टल खोलते ही 10 से 15 मिनट के अंतराल में भस्म आरती बुकिंग फूल हो जाती थी। जिससे श्रद्धालुओं को काफी असुविधा होती थी। नई व्यवस्था के तहत श्रद्धालु अब अपनी भस्म आरती प्लान कर सकेंगे। भस्म आरती के लिए सभी को मिलेंगे समान अवसर भस्म आरती बुकिंग के लिए पूरी पारदर्शिता सुनिश्चित की जाएगी। भस्म आरती बुकिंग के लिए प्राप्त रिक्वेस्ट की मॉनिटरिंग होगी। आधार नंबर/मोबाइल नंबर की जांच कर देखा जाएगा कि संबंधित द्वारा भस्म आरती बुकिंग का दुरुपयोग न हों।

बड़वानी जिला अस्पताल में भर्ती महिला की इलाज के दौरान हुई मौत, पुलिस ने नगर पालिका के माध्यम से करवाया अंतिम संस्कार

शुक्रवार बड़वानी जिला अस्पताल में इलाज के दौरान एक महिला की मौत हो गई जिसके शव का पोस्टमार्टम करवाकर पुलिस ने मृतिका महिला का अंतिम संस्कार नगर पालिका के माध्यम से करवाया है।दरअसल बड़वानी जिला अस्पताल में एक महिला जिसका नाम सुमन पति मांदिलाल गत 15 दिनों से जिसका इलाज चल रहा था शुक्रवार महिला की मौत होने पर उनका वारिसदार की जानकारी नहीं होने के कारण पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम करवाकर बड़वानी नगर पालिका कर्मचारियों की मदद से शव का अंतिम संस्कार करवाया गया है।

मतगणना के संबंध में शेष बची तैयारियों को अगले 24 घंटे में पूर्ण करें - डॉ. सिडाना

मंडला नोडल अधिकारियों की बैठक में कलेक्टर के निर्देश लोकसभा सामान्य निर्वाचन-2024 के तहत मंडला संसदीय क्षेत्र के बिछिया, निवास तथा मंडला विधानसभा क्षेत्रों के मतों की गणना 4 जून को शासकीय पॉलीटेक्निक महाविद्यालय में की जाएगी। इस संबंध में आयोजित नोडल अधिकारियों की बैठक में कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. सलोनी सिडाना ने कहा कि मतगणना पूरे निर्वाचन प्रक्रिया की सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा है जिसमें किसी भी प्रकार की गलती के लिए कोई स्थान नहीं है। उन्होंने निर्देशित किया कि मतगणना के संबंध में जो भी तैयारियां शेष बची हैं उन्हें अगले 24 घंटे में पूर्ण करना सुनिश्चित करें। जिला योजना भवन में संपन्न हुई इस बैठक में जिला पंचायत सीईओ श्रेयांश कूमट, अपर कलेक्टर एवं उपजिला निर्वाचन अधिकारी राजेन्द्र कुमार सिंह, संयुक्त कलेक्टर अरविंद सिंह, ऋषभ जैन एवं हुनेन्द्र घोरमारे, सहायक कलेक्टर आकिप खान सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।बैठक में कलेक्टर ने सुरक्षा व्यवस्था, मानव संसाधन, मीडिया रूम, सीलिंग, पोस्टल बैलेट, स्ट्राँग रूम मैनेजमेंट, ईव्हीएम मैनेजमेंट, लॉ-एण्ड ऑर्डर, वेलफेयर मैनेजमेंट, विद्युत व्यवस्था, साउंड सिस्टम, पार्किंग, वीडियोग्राफी एवं सीसीटीव्ही कार्य आदि के संबंध में विस्तार से चर्चा करते हुए आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने निर्देशित किया कि प्रत्येक कमरे के सामने पेयजल की व्यवस्था रखें। परिसर की साफ-सफाई नियमित रूप से कराएं। मतगणना स्थल में अस्थायी अस्पताल तैयार करें, आवश्यक दवाईयां रखें तथा चिकित्सक सहित अन्य स्टॉफ की ड्यूटी लगाएं। परिसर में एम्बूलेंस तथा फायरब्रिगेड की उपलब्धता सुनिश्चित करें। कलेक्टर ने निर्देशित किया कि सभी नोडल अधिकारी स्वयं तथा अपने सहयोग स्टॉफ का प्रवेश पत्र अनिवार्य रूप से बनवा लें, बिना प्रवेश पत्र के किसी को भी प्रवेश नहीं दिया जाएगा।

मॉकड्रिल में शतप्रतिशत कर्मचारियों की उपस्थिति आवश्यक कलेक्टर ने निर्देशित किया कि सभी अधिकारी आवंटित कार्यों को संपादित करने के लिए सहयोगी स्टॉफ के मध्य कार्यों का वितरण करें। मतगणना की तैयारियों के संबंध में 3 जून को होने वाली मॉकड्रिल में शतप्रतिशत कर्मचारियों की उपस्थिति अनिवार्य है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि ईव्हीएम मार्ग पर लगाए गए सीसीटीव्ही कैमरों की टेस्टिंग करें। सभी कमरों में लगाए गए कम्प्यूटर, फोटोकॉपी मशीन, प्रिंटर, यूपीएस आदि उपकरणों की जांच कर लें। सभी कमरों में पर्याप्त मात्रा में स्टेशनरी की उपलब्धता सुनिश्चित करें।

विधानसभावार कलर कोडिंग कलेक्टर ने निर्देशित किया कि मतगणना स्थल पर विधानसभावार पृथक-पृथक रंगों का उपयोग करते हुए आवश्यक संकेतक लगाएं। इसी प्रकार परिचय पत्र में भी विधानसभावार कलर कोडिंग करें। मॉकड्रिल के दौरान सभी अधिकारी, कर्मचारियों को उनके लिए नियत मार्ग आदि से अवगत कराएं। उन्होंने ईव्हीएम परिवहन में लगे कर्मचारियों के लिए भी विधानसभावार कलर कोडिंग करने के निर्देश दिए।

इमरान खान ने किया कबूल- पाक आर्मी चीफ बाजवा पर भरोसा करना मेरी सबसे बड़ी भूल

इंटरनेशनल डेस्कः इमरान ने पाकिस्तान में कानून के शासन के प्रति अपनी प्रतिबद्धता पर जोर देते हुए कहा कि उनका कारावास अन्यायपूर्ण है। पाकिस्तान की अडियाला जेल में कैद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान का कहना है कि कि उन्हें प्रधानमंत्री पद पर रहते समय जनरल (सेवानिवृत्त) कमर जावेद बाजवा पर भरोसा करने का बेहद अफसोस है। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ के संस्थापक इमरान ने पाकिस्तान के राजनीतिक और सैन्य नेतृत्व की आलोचना करते हुए बाजवा पर उन्हें कैद करने की साजिश रचने का आरोप भी लगाया। इमरान ने कहा, मेरा एकमात्र अफसोस जनरल बाजवा पर भरोसा करना है। उन्होंने उन पर सैन्य प्रमुख के रूप में दूसरा विस्तार हासिल करने के लिए झूठ और गलत बयानबाजी करने का आरोप लगाया।

डॉन की रिपोर्ट के मुताबिक इमरान ने जोर देकर कहा कि मुझे यकीन है कि यह सब जनरल बाजवा द्वारा रचा गया था। मैं किसी और को इसके लिए जिम्मेदार नहीं मानता। उन्होंने सावधानीपूर्वक यह योजना बनाई और उसे अंजाम देते हुए खुद को एक धोखेबाज व्यक्ति के रूप में पेश किया। बाजवा ने राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय अराजकता पैदा करने के लिए झूठ और गलत बयानबाजी की। यह सब उन्होंने अपने विस्तार को सुरक्षित करने के लिए किया ।पूर्व प्रधानमंत्री खान ने कार्यकाल के दौरान 2019 में बाजवा के लिए विस्तार को मंजूरी दी थी, लेकिन बाद में इमरान ने 2022 में मीडिया को बताया कि यह उनकी सबसे बड़ी गलती थी। जब उनसे पद से हटाए जाने में अमेरिका की संलिप्तता के बारे में पूछा गया, तो इमरान ने इसका दोष पूरी तरह से बाजवा पर मढ़ दिया।

अफगानिस्तान में नदी पार करते डूबी नाव, कम से कम 20 लोगों की मौत

इंटरनेशनल डेस्कः पूर्वी अफगानिस्तान में एक नदी पार करते हुए शनिवार सुबह एक नाव पलटने से कम से कम 20 लोगों की मौत हो गयी। तालिबान के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। नंगरहार प्रांत में सूचना व संस्कृति विभाग में प्रांतीय निदेशक कुरैशी बदलोन ने कहा कि मोहमंद दारा जिले में एक नदी पार करते हुए नौका डूबने से महिलाओं और बच्चों समेत 20 लोगों की मौत हो गयी। बदलोन ने बताया कि नाव में 25 लोग सवार थे।

ग्रामीणों के अनुसार, इनमें से पांच ही लोग जीवित बचे हैं। नंगरहार के स्वास्थ्य विभाग ने एक बयान में बताया कि अभी तक एक पुरुष, एक महिला, दो लड़कों और एक लड़की समेत पांच शव बरामद किए गए हैं। एक चिकित्सा दल और एम्बुलेंस को इलाके में भेजा गया है। अधिकारियों ने यह नहीं बताया कि हादसे किस वजह से हुआ। उन्होंने कहा कि बचावकर्मी अब भी अन्य शवों की तलाश कर रहे हैं। इलाके के निवासी गांवों और स्थानीय बाजारों के बीच सफर करने के लिए स्थानीय रूप से बनायी गयी नौकाओं का अक्सर इस्तेमाल करते हैं।

कोर्ट के फैसले के बावजूद वॉल स्ट्रीट के अरबपति कर रहे ट्रंप का समर्थन

इंटरनेशनल डेस्क- भले ही अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को कोर्ट ने दोषी करार दे दिया है, लेकिन कुछ अरबपति ट्रंप का समर्थन कर रहे हैं। इससे पहले कि 12 न्यूयॉर्क वासियों ने डोनाल्ड ट्रंप को एक अपराधी के रूप में निंदा की। फिफ्थ एवेन्यू के खूबसूरत पियरे होटल में एकत्रित एक बहुत ही अलग तरह की जूरी ने अपना ऐतिहासिक फैसला सुनाया। पियरे में धनी वॉल स्ट्रीटर्स ने निष्कर्ष निकाला कि ट्रंप अभी भी व्हाइट हाउस के लिए उनकी पसंद होंगे। गुरुवार के ऐतिहासिक फैसले से 16 दिन पहले हुई उस बैठक में अमेरिकी वित्त में चल रहे खेल पर प्रकाश डाला गया। लंबे समय से समर्थकों से लेकर अनिच्छुक साथी यात्रियों तक, अमेरिकी व्यापार और वित्त में प्रमुख हस्तियों की बढ़ती संख्या आपराधिक सजा के बावजूद ट्रंप की बहाली की संभावना को स्वीकार कर रही है । 1789 कैपिटल के अध्यक्ष और ट्रम्प के लिए पियरे फंडरेज़र के सह-मेजबान ओमेद मलिक ने गुरुवार शाम कहा, इस निर्णय का मेरे समर्थन पर शून्य से भी कम प्रभाव पड़ेगा। अपने राष्ट्रपति अभियान के दौरान, ट्रंप ने अमीरों के लिए करों में कटौती करने और नियमों को खत्म करने का वादा किया है, जबकि राष्ट्रपति जो बाइडेन इसके विपरीत चाहते हैं।

सर्वे रिपोर्टः पाकिस्तान से ज्यादा भारत को पसंद करते इस्लामिक देशों के युवा

इंटरनेशनल डेस्कः एक सर्वे में खुलासा हुआ है कि इस्लामिक देशों में युवा पाकिस्तान से ज्यादा भारत को पसंद करते हैं। हालांकि पाकिस्तान खुद को मुस्लिम देशों का सबसे प्रमुख सदस्य साबित करने में लगा रहता है और इसके नेता अक्सर मुस्लिम उम्मा का जिक्र करते हुए अरब देशों के साथ अपनी नजदीकी का दिखावा करते रहते हैं लेकिन अरब के लोग पाकिस्तान को जरा भी पसंद नहीं करते हैं। सर्वे के अनुसार अरब देशों के युवाओं की नजर में पाकिस्तान से ज्यादा सम्मान भारत का है। अरब देशों के युवाओं के बीच किया गए सर्वे के अनुसार भारत सिर्फ पाकिस्तान ही नहीं बल्कि अमेरिका से भी ऊपर है। ASDA'A BCW के द्वारा 2023 में कराए गए अरब यूथ सर्वे के आंकड़ों के अनुसार इन देशों का युवा भारत को अपने सहयोगी के रूप में देखते हैं। सर्वे में युवाओं से देश का नाम बताकर पूछा गया कि क्या वे उसे अपने सहयोगी के रूप में देखते हैं। पाकिस्तान का नाम आने पर 69 प्रतिशत युवाओं ने उसे सहयोगी माना जबकि अमेरिका को 72 प्रतिशत ने अपना सहयोगी स्वीकार किया। सर्वे में जब भारत का नाम लिया गया तो 73 प्रतिशत ने नई दिल्ली को सहयोगी बताया। हालांकि, इस लिस्ट में सबसे टॉप पर तुर्की है, जिसे 82 प्रतिशत युवा अपने मजबूत सहयोगी के रूप में देखते हैं। हैरान करने वाली बात इस लिस्ट में चीन का दूसरे स्थान पर होना है, जिसे 80 प्रतिशत युवाओं ने साथी देश माना है। ये बताता है कि किस तरह से चीन यहां पर अमेरिका से काफी आगे निकल गया है। गौरतलब है कि बीते दिनों ही ऐसी रिपोर्ट सामने आई थी जिसमें सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात ने जब देश में भिखारियों के खिलाफ अभियान चलाया तो पकड़े गए लोगों में सबसे ज्यादा संख्या पाकिस्तानियों की निकली। रमजान के दौरान पाकिस्तानी भिखारियों की बाढ़ के चलते दुबई को विशेष अभियान चलाना पड़ा था। इस दौरान पता चला था कि पाकिस्तान से भिखारियों को भेजने के लिए पूरा रैकेट चलता है।

अमेरिकी रक्षा मंत्री ऑस्टिन ने चीन के साथ युद्ध को लेकर दिया बड़ा बयान

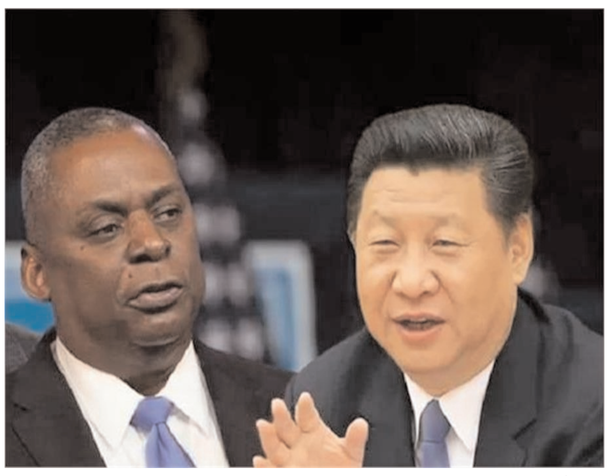

इंटरनेशनल डेस्कः अमेरिका के रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन ने शनिवार को शीर्ष सुरक्षा अधिकारियों के एक समूह से कहा कि एशिया-प्रशांत में तेजी से बढ़ते तनाव के बावजूद चीन के साथ युद्ध न तो आसन्न है और न ही अपरिहार्य है। साथ ही उन्होंने ''गलत अनुमान और गलतफहमियों से बचने के लिए उनके तथा चीनी समकक्ष के बीच नए सिरे से संवाद की महत्ता पर जोर दिया। ऑस्टिन ने सिंगापुर में शंगरी-ला रक्षा मंच पर ये टिप्पणियां चीन के रक्षा मंत्री डोंग जुन के साथ एक घंटे से अधिक समय तक चली बैठक के बाद कीं। वर्ष 2022 में अमेरिकी प्रतिनिधि सभा की तत्कालीन स्पीकर नैंसी पेलोसी की ताइवान यात्रा के बाद अमेरिका और चीनी सेनाओं के बीच संपर्क समाप्त हो गया था। इसके बाद से दोनों शीर्ष रक्षा अधिकारियों के बीच यह आमने-सामने की पहली बैठक है। बैठक के बारे में विस्तार से बताने से इनकार करते हुए ऑस्टिन ने कहा कि सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि दोनों नेता फिर से बातचीत कर रहे हैं। ऑस्टिन ने कहा, ''चीन के साथ युद्ध या लड़ाई न तो आसन्न है और न ही अपरिहार्य है। उन्होंने कहा, ''बड़े देशों के नेताओं को यह सुनिश्चित करने के लिए एक साथ मिलकर काम करने की जरूरत है कि हम गलत अनुमानों और गलतफहमियों के लिए अवसर कम करने वाली चीजें करें। उन्होंने कहा, ''हर बातचीत सुखद बातचीत नहीं होती लेकिन महत्वपूर्ण यह है कि हम एक-दूसरे से बातचीत करते रहें और यह भी आवश्यक है कि हम अपने सहयोगियों एवं साझेदारों का सहयोग करते रहें। फिलीपीन के राष्ट्रपति फर्डिनैंड मार्कोस जूनियर ने शुक्रवार रात को इसी मंच को संबोधित करते हुए स्पष्ट रूप से कहा कि अगर चीन के उनके देश के तटरक्षक बल से टकराव के दौरान एक भी फिलीपीनी नागरिक मारा जाता है तो ''यह युद्ध के कृत्य के समान होगा और हम उसी अनुसार जवाबी कार्रवाई करेंगे।

मोदी की विश्वसनीयता और विपक्ष के असली चेहरे को जान गए हैं लोग, एग्जिट पोल पर बोले गिरिराज

बेगूसराय- शनिवार को लोकसभा चुनाव के अंतिम चरण का मतदान संपन्न होने के साथ ही एग्जिट पोल आने शुरू हो गए, जिसमें भाजपा के नेतृत्व वाली एनडीए को बहुमत मिलने की संभावना जताई जा रही है। वहीं केंद्रीय मंत्री एवं बिहार की बेगूसराय लोकसभा सीट से भाजपा उम्मीदवार गिरिराज सिंह ने एग्जिट पोल पर कहा कि लोग विपक्ष के असली चेहरे को जान गए हैं और उन्होंने क्करूमोदी को स्वीकारा है।

कांग्रेस को सिस्टम और देश के लोकतंत्र पर भरोसा नहीं

गिरिराज सिंह ने कहा, मोदी की विश्वसनीयता और विपक्ष के असली चेहरे को लोग जान गए हैं... देश ने मोदी को स्वीकारा और खटाखट फटाफट करने वालों को वापस भेज दिया... बिहार में हम पिछले (लोकसभा चुनाव) नतीजे के करीब रहेंगे... यह कांग्रेस का नाटक है, वे 4 जून को भी यही कहेंगे कि श्वङ्करू खराब है, ये जनता का फैसला नहीं है, ये EVM का फैसला है। उन्हें सिस्टम और देश के लोकतंत्र पर भरोसा नहीं है।

एग्जिट पोल में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन को प्रचंड बहुमत मिलने का अनुमान

बता दें कि लोकसभा चुनाव के अंतिम चरण का मतदान संपन्न होने के बाद आए कई एग्जिट पोल में भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन को प्रचंड बहुमत मिलने का अनुमान लगाया गया है। इन सर्वेक्षणों के मुताबिक, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी लगातार तीसरी बार केंद्र की सत्ता संभालने जा रहे हैं। इसके साथ इन सर्वेक्षणों में सत्तारूढ़ गठबंधन राजग के तमिलनाडु और केरल में अपना खाता खोलने और कर्नाटक में फिर से एकतरफा जीत हासिल करने का अनुमान जताया गया है। साथ ही, इन सर्वेक्षणों में बिहार, राजस्थान और हरियाणा जैसे कुछ रायों में भाजपा एवं राजग की सीटों की संख्या में कमी होने का अनुमान लगाया गया

रानीखेत उर्स मेले में बड़ा हादसा

आंधी तूफान के कारण पेड़ गिरने से एक की मौत, 8 अन्य घायल

अल्मोड़ा/नैनीताल- उत्तराखंड की पर्यटक नगरी रानीखेत में शनिवार को उर्स मेले में बड़ा हादसा हो गया, जहां आंधी तूफान से एक पेड़ की चपेट में आने से एक व्यक्ति की मौत गई जबकि आठ अन्य लोग घायल हो गए। प्राप्त जानकारी के अनुसार, रानीखेत में कालू सिद्ध बाबा की मजार पर शनिवार को उर्स मेले का आयोजन चल रहा था। दोपहर में मौसम में यकायक परिवर्तन आया और आंधी तूफान चलने लगा। इसी दौरान एक पेड़ धराशाई हो गया जिसकी चपेट में नौ लोग आ गए। इनमें से संजू देवल की मौत हो गई जबकि अन्य घायल हो गए।

घायलों में कृष्णा, सरताज, हिमांशु, मेघा, राजपाल, नबी अहमद और नासिर शामिल हैं। सभी घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इनमें से तीन गंभीर हैं जिन्हें हायर सेंटर भेज दिया गया है।

अगले पांच दिनों तक गरज के साथ होगी बारिश, येलो अलर्ट जारी

नेशनल डेस्क- बेंगलुरु में भारी बारिश के बाद कई स्थानों पर जलभराव के कारण यातायात बाधित हुआ, कर्नाटक की राजधानी में और अधिक बारिश होने की संभावना है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (ढ्ढरूष्ठ) ने रविवार को एक येलो अलर्ट जारी करते हुए भविष्यवाणी की कि शहर में अगले पांच दिनों तक बारिश होगी और कुछ इलाकों में गरज के साथ बारिश होगी। मौसम विभाग ने 2 जून (रविवार) से 4 जून (मंगलवार) तक बेंगलुरु में बादल छाए रहने और गरज के साथ बारिश होने की भविष्यवाणी की है, जबकि 5 और 6 जून को बारिश होगी। बारिश के बीच शहर का अधिकतम तापमान 33.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि रविवार को न्यूनतम तापमान 26.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था। एक मौसम रिपोर्ट में कहा गया है कि इसके अलावा, एक अन्य दक्षिणी राज्य केरल के कई हिस्सों में अगले सात दिनों में बारिश होने की संभावना है। केरल के कोझिकोड में 2 जून से 8 जून तक बारिश और गरज के साथ बारिश होने का अनुमान है और अगले सात दिनों में तापमान 35 डिग्री से 25 डिग्री सेल्सियस के बीच रहेगा। इस बीच, तमिलनाडु के चेन्नई में भी हल्की से मध्यम बारिश की भविष्यवाणी की गई है। मौसम विभाग की नवीनतम रिपोर्ट के अनुसार, चेन्नई में आंशिक रूप से बादल छाए रहने की संभावना है और हल्की बारिश की संभावना है, अधिकतम तापमान 34 से 35 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 29 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहेगा।

मुंबई की बहुमंजिला इमारत में लगी आग, एक व्यक्ति घायल, करीब 30 को सुरक्षित बाहर निकाला गया

नेशनल डेस्क- दक्षिण मुंबई के भायखला इलाके में 62 मंजिला एक आवासीय इमारत में शनिवार आधी रात को आग लग जाने से 57 वर्षीय एक व्यक्ति घायल हो गया, लेकिन 25 से 30 लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला लिया गया है। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। दमकल विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि भायखला के 'खटाऊ मिल कम्पाउंड में 'मोंटे साउथ इमारत के 'ए विंग की 10वीं मंजिल पर स्थित एक फ्लैट में रात करीब 11 बजकर 42 मिनट पर आग लग गई जिसके कारण पूरी मंजिल पर धुआं भर गया और कुछ लोग इमारत की ऊपरी मंजिलों पर फंस गए। अधिकारी ने बताया कि 25 से 30 लोगों को सीढ़ियों के जरिए बाहर निकाला गया। उन्होंने बताया कि एक व्यक्ति घायल हो गया है जिसकी पहचान पांडुरंग शिंदे के रूप में की गई है। अधिकारी ने बताया कि आग पर देर रात पौने तीन बजे काबू पा लिया गया। उन्होंने बताया कि यह 'स्तर-2 की आग थी, जो 10वीं मंजिल के फ्लैट के बिजली के तारों, लकड़ी के फर्नीचर, घरेलू सामान, अलमारी, गद्दे, लकड़ी के बिस्तर, सोफा, पर्दे, इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों, छत, दरवाजों, खिड़कियों एवं रसोईघर तथा 11वीं मंजिल के अपार्टमेंट के पर्दों, खिड़की के शीशों आदि तक सीमित थी। अधिकारी ने बताया कि आग बुझाते समय 10वीं मंजिल पर बने फ्लैट के रसोईघर में 'रेफ्रीजेटर के 'कम्प्रेसर में विस्फोट हो गया। उन्होंने बताया कि आग बुझाने के काम में पानी के आठ टैंकर और छह दमकल वाहनों को लगाया गया था। आग लगने का कारण अभी पता नहीं चल पाया है। ऐसी आशंका है कि इमारत की 10वीं मंजिल पर स्थित फ्लैट में शॉर्ट-सर्किट के कारण आग लगी होगी।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती ज्योती मिश्रा द्वारा कॉम्पेक प्रिंटर्स प्रा. लि. फ्री प्रेस हाउस 3/54, प्रेस कॉम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 45ए गुप्ता चैम्बर पहली मंजिल जावरा कंपाउंड इंदौर, (म.प्र.) से प्रकाशित।
प्रधान सम्पादक : अशीष मिश्रा आर.एन.आई. पंजीयन क्रमांक : एमपी/एच/आइएन 2009/34385 फोन नं : 0731-4202569 फैक्स नं : 0731-4202569